धनबाद, शनिवार
24 अक्टूबर 2026
वर्ष : 04 अंक : 24
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रुथ पथ

ब्रीफ न्यूज

पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन समारोह 26 को, मुख्यमंत्री हेमंत होंगे शामिल

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 26 अक्टूबर को 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल होंगे। यह समारोह रांची के खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में चल रहा है।शुक्रवार को जैप की एडीजी प्रिया दुबे ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की। यह मुलाकात कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुई। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण के लिए आभार जताया। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस मुलाकात के दौरान जैप के आईजी सुनील भास्कर और डीआईजी कार्तिक एस भी मौजूद रहे।

कार खाई में गिरी, 4 दोस्तों की मौत

जयपुर (एजेंसी) : जयपुर जिले के रायसर में नेशनल हाईवे-148 (दौसा-मनोहरपुर) पर स्विफ्ट कार टायर फटने से खाई में गिर गई। कार में 6 दोस्त थे, इनमें से 4 की मौके पर ही मौत हो गई। सीओ रामकिशन विश्नोई ने बताया कि एक्सीडेंट शुक्रवार सुबह 6 बजे रायसर थाना क्षेत्र में हुआ है। हादसे में दो युवक घायल हुए हैं। इन्हें निम्स हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। सभी युवक आगरा (यूपी) के रहने वाले थे। खाटूश्यामजी मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार एक्सीडेंट में आगरा के रामबाग के रहने वाले अतुल वार्षण (35), कालनदी विहार के मुकुल जायसवाल (21), रूपेश जाटव (25) और शिवा सिंह (20) की मौत हुई है। वहीं, आगरा के ही नुनिहाई के रहने वाले राहुल शर्मा (36) और ब्लकेश्वर के अर्पित बंसल (20) घायल हैं। हादसे के बाद मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे लंबा जाम लग गया। करीब एक घंटे तक ट्रैफिक स्लो रहा। घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाने के बाद पुलिस ने ट्रैफिक क्लियर करवाया। क्रेन की मदद से कार को हटवाया गया।

प्रेमानंदजी ने 5 महीने बाद पदयात्रा की

मथुरा (एजेंसी) : प्रेमानंद महाराज ने 5 महीने के बाद वृंदावन में पदयात्रा की। शुक्रवार सुबह जब वे अपने नए आश्रम से केली कुंज आश्रम जा रहे थे, तो रास्ते में वाराह घाट तिराहे पर उन्हें देखकर भक्त भावुक हो गए। यहां से संत प्रेमानंद अपनी गाड़ी से उतरे और पैदल चलकर ही आश्रम की ओर जाने लगे। इस दौरान रास्ते में दोनों तरफ मौजूद भक्त लगातार राधे-राधे और श्री हरिवंश के जयकारे लगा रहे थे। केली कुंज आश्रम पहुंचकर उन्होंने पहले राधा रानी की आराधना की, फिर अपने गुरु हित गोविंद शरण महाराज के दर्शन किए। करीब आधे घंटे रुकने के बाद वह यमुना बिहार कुंज आश्रम लौट गए। 25 सितंबर को शिष्य रसिक दुलारी ने केली कुंज ट्रस्ट की इमारत की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। इसके बाद 8 अक्टूबर को प्रेमानंद महाराज पहली बार केली कुंज आश्रम पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने पदयात्रा नहीं की थी। 15 मिनट आश्रम में रुके थे।

झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक 27 अक्टूबर को

रांची, (एजेंसी) : झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक 27 अक्टूबर को होगी। मंत्रिपरिषद् की बैठक प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होगी। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी। यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने शुक्रवार को दी। उल्लेखनीय है कि पिछले दो कैबिनेट की बैठकें मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की पुत्री तृषा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन के निधन के कारण स्थगित कर दी गई थी।

बस्तर में पड़े थे भगवान श्रीराम के चरण, इसकी पवित्रता बनाए रखना सभी का दायित्व : राष्ट्रपति मुर्मु

जगदलपुर, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भगवान श्रीराम के चरण बस्तर के अंचल में पड़े थे, जिससे इसकी पवित्रता और सांस्कृतिक महिमा और भी विशेष हो जाती है। इस प्राकृतिक संपदा, समृद्ध परंपराओं और गौरवशाली विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है।

राष्ट्रपति मुर्मु शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर दशहरा 2026 के तहत जगदलपुर के लालबाग मैदान में आमसभा को संबोधित

कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के वनवास से जुड़ी मान्यताएं और माता शबरी से उनकी भेंट की परंपरा इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। उन्होंने बस्तर की अनूठी सांस्कृतिक परंपराओं और जनजातीय समाज की एकजुटता की सराहना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

राष्ट्रपति ने सभी को बस्तर दशहरा की शुभकामनाएं दीं और मां दंतेश्वरी सहित क्षेत्र के देवी-देवताओं को नमन किया। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर मां दंतेश्वरी के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बस्तर के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि दंडकारण्य का वर्णन वाल्मीकि रामायण में मिलता है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र भूमि की विरासत को सुरक्षित रखना सभी का दायित्व है।

उन्होंने बस्तर दशहरा में विभिन्न समाजों की भागीदारी को विशेष बताते हुए कहा कि यहां की परंपराएं लोगों को आपस में जोड़ती हैं। मांझियों से मुरिया दरबार की व्यवस्था के बारे में जानकारी मिलने का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे जनता से जुड़ी परंपरा बताया, जो लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करती है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से नक्सली आतंक से पीड़ित लोगों को राहत मिली है और अब वे आगे बढ़ने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। उन्होंने बस्तर ओलंपिक में आदिवासी खिलाड़ियों की भागीदारी की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि यहां के खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और ओलंपिक में भी देश के लिए पदक जीत सकते हैं। उन्होंने जनजातीय समाज में प्रकृति के प्रति सम्मान की परंपरा का उल्लेख करते हुए जंगल, पहाड़ और पेड़-पौधों के संरक्षण पर भी जोर दिया।

राष्ट्रपति ने कहा कि पेड़-पौधे जीवन के लिए जरूरी हैं, उनसे ऑक्सीजन और भोजन मिलता है तथा पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने लोगों से जंगलों को सुरक्षित रखने और खेतों सहित बंजर जमीन पर भी पौधे लगाने की अपील की, ताकि आने वाली पीढ़ियों को हरा-भरा वातावरण मिल सके। बस्तर दशहरा की आगामी रस्मों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने बताया कि कुटुम्ब जात्रा के बाद 27 अक्टूबर को मावली देवी की डोली विदाई का कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक परंपराएं समावेशी हैं और इनमें सभी समाजों की सहभागिता दिखाई देती है। इन परंपराओं से आपसी सम्मान, एकजुटता और सामूहिक जिम्मेदारी की सीख मिलती है।राष्ट्रपति मुर्मु इससे पूर्व आज 23 अक्टूबर 2026 को बस्तर दशहरा के सबसे महत्वपूर्ण, पारंपरिक और ऐतिहासिक 'मुरिया दरबार' रस्म की भी साक्षी बनीं। इस ऐतिहासिक रस्म में शामिल होने वाली वह देश की पहली राष्ट्रपति हैं। जगदलपुर पहुंचने के बाद उन्होंने सबसे पहले बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। अपने संबोधन में उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से बस्तर का यह क्षेत्र अब नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त होकर शांति, समृद्धि और तेज विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

बस्तर दशहरा में राष्ट्रपति का आगमन गौरव की बात : मुख्यमंत्रीमुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति और राज्यपाल का स्वागत करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा करीब 75 दिनों तक चलने वाला विशिष्ट पर्व है। इस वर्ष राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का आगमन और बस्तर का माओवाद से मुक्त होना क्षेत्र के लिए विशेष खुशी की बात है।

मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद से मुक्ति, सड़क-रेल संपर्क, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को बस्तर के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा से लोगों को आवागमन की सुविधा मिल रही है। रायपुर से रावघाट तक रेल सेवा शुरू हो चुकी है, जबकि रावघाट से जगदलपुर तक रेल लाइन का काम जारी है। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि ओरछा और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है। जगदलपुर में सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल बनाया गया है और गीदम में मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। सरकार वनोपज का उचित मूल्य दिलाने की दिशा में भी काम कर रही है।

पीएम मोदी ने स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राम से की बातचीत, 1993 की मुलाकात को किया याद

नई दिल्ली,(एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ह्यचिन्मय अमृत महोत्सवह्न के दौरान स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राम से बातचीत की। चिन्मय मिशन के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में तकनीक के द्वारा स्वामीजी की त्रि-आयामी छवि दिखाई गई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामी चिन्मयानंद से फरवरी 1993 में हुई अपनी मुलाकात को याद किया।

होलोग्राम के दवारा से स्वामी चिन्मयानंद ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि उनकी पहली मुलाकात फरवरी 1993 में हुई थी, जब मोदी उन्हें अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद के शताब्दी समारोह में आमंत्रित करने पहुंचे थे। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे खुशनसीब हैं कि उन्हें फिर गुरुदेव के दर्शन का सौभाग्य मिला। स्वामी चिन्मयानंद का निधन 3 अगस्त 1993 को अमेरिका के सैन डिएगो में हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी ने उस समय को याद कर कहा कि

स्वामीजी के जाने से सभी को उनकी कमी महसूस हुई थी।

चिन्मय मिशन की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर देश के विभिन्न हिस्सों में सालभर कार्यक्रम आयोजित किए गए। 3 दिवसीय ह्यचिन्मय अमृत महोत्सवह्न 23 से 25 अक्टूबर तक चलेगा। मिशन के दुनिया भर में 350 से अधिक केंद्र हैं, जहां आध्यात्मिक शिक्षा और भारतीय संस्कृति से जुड़े कार्य किए जाते हैं।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का उल्लेख किया। उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर, उज्जैन के महाकाल धाम और केदारनाथ-बद्रीनाथ जैसे धार्मिक स्थलों का जिक्र कर कहा कि देश उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक अपनी सांस्कृतिक विरासत को नए सिरे से संवार रहा है। उन्होंने बताया कि बीते 12 वर्षों में विदेशों से करीब 600 प्राचीन मूर्तियां भारत वापस लाई गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, देश अब उन आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है, जिनका सपना भारत के ऋषियों और राष्ट्रभक्तों ने देखा था।

सात लाख के इनामी माओवादी दंपती ने कोलकाता पुलिस के समक्ष किया समर्पण

कोलकाता, (एजेंसी) : झारखंड के सारंडा जंगल में सक्रिय कुख्यात माओवादी दंपत्ति मंगल और मालती ने शुक्रवार को कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों ने सुबह पुलिस आयुक्त अजय नंद के सामने एक एके-47 और एक इंसास राइफल सौंप दी। झारखंड पुलिस ने मंगल पर पांच लाख और मालती पर दो लाख का इनाम घोषित कर रखा था।मंगल पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सालबनी का रहने वाला है, जबकि मालती झाड़ग्राम जिले के गोपीबल्लभपुर की निवासी है। पुलिस के अनुसार, मंगल वर्ष 2010 में माओवादी संगठन से जुड़ा था। उस समय वह सालबनी में सक्रिय जनसाधारण कमेटी (पीसीपीए) से भी जुड़ा था।

पुलिस आयुक्त अजय नंद ने बताया कि मंगल माओवादी नेता किशनजी का करीबी रह चुका है। वर्ष 2011-12 के बाद वह झारखंड चला गया और पहले दलमा तथा बाद में सारंडा के जंगलों में माओवादी गतिविधियों में शामिल रहा। बाद में

मालती भी झाड़ग्राम छोड़कर सारंडा में उसके साथ जुड़ गई।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाई के कारण सारंडा के जंगलों में माओवादियों के लिए टिकना मुश्किल हो गया था। इसी दबाव के चलते वर्ष 2026 में बंगाल से जुड़े करीब 13 माओवादियों ने उस इलाके को छोड़ना शुरू कर दिया। इनमें से कई अलग-अलग जगहों पर गिरफ्तार किए गए हैं। हाल ही में झारखंड से तीन माओवादी पकड़े गए हैं।पुलिस के मुताबिक, सारंडा में सक्रिय रहे मंगल के खिलाफ झारखंड में छह से सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। आत्मसमर्पण के बाद मंगल ने कहा कि सशस्त्र संघर्ष के जरिए समाज में बदलाव लाना संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर राज्य सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण करने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया।गौरतलब है कि, हाल के महीनों में कोलकाता में माओवादियों की गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण की घटनाएं सामने आई हैं। इसी साल जून में पुष्पा उर्फ शकुंतला ने कोलकाता पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। इससे एक महीने पहले झारखंड की माओवादी श्रद्धा विश्वास उर्फ बेला को कोलकाता पुलिस ने उत्तर काशीपुर इलाके से गिरफ्तार किया था।

चुनौतियों का सामना करने के लिए बराबर तैयार रहें आर्मी कमांडर्स : राजनाथ

रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना को बड़ा फ्रेमवर्क देने वाला 'लैंड वॉरफेयर डॉक्ट्रिन' लॉन्च किया

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि लंबे समय की रणनीतिक सोच के साथ काम करने और आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए बराबर तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने 'लैंड वॉरफेयर डॉक्ट्रिन' लॉन्च किया और यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग मिशन में बेहतरीन सेवा के लिए तीन भारतीय सेना के जवानों को सम्मानित भी किया। रक्षा मंत्री ने मॉडर्न युद्ध के लिए एक इंटीग्रेटेड अप्रोच अपनाने की बात कही और जोर दिया कि सफलता मल्टी-डोमेन क्षमताओं और जॉइंट ऑपरेशन में आसान तालमेल पर निर्भर करेगी।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने नई सोच और बेहतर तालमेल दिखाया, साथ ही एडवांस्ड हथियारों का भी इस्तेमाल किया। रक्षा मंत्री ने आर्मी कमांडरों से जियोपॉलिटिकल और क्षेत्रीय डेवलपमेंट पर करीब से नजर रखने और

भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने अगले 20-30 सालों के लिए एक लंबे समय के स्ट्रेटेजिक विजन की जरूरत पर जोर दिया और भारतीय सेना के सीनियर लीडरशिप से तुरंत और नई चुनौतियों का जवाब देने के लिए समान रूप से तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि स्ट्रेटेजी डायनैमिक और फ्लेक्सिबल रहनी चाहिए, ताकि बदलते हालात के हिसाब से समय पर बदलाव किए जा सकें।बदलते ऑपरेशनल हालात के हिसाब से खुद को ढालने के लिए डिफेंस फोर्स की तारीफ करते हुए राजनाथ सिंह ने बताया कि नई सोच और बेहतर तालमेल के साथ-साथ एडवांस्ड हथियारों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन से यह साफ संदेश गया कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने में नहीं हिचकिचाएगा। उन्होंने क्षमताओं को मजबूत करने, लगातार परफॉर्मेंस का आकलन करने और बदलते हालात के हिसाब से जरूरी सुधार लागू करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोनॉमस सिस्टम, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और सुरक्षित कम्युनिकेशन नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में कोशिशों में तेजी लाने के महत्व पर जोर दिया। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि हवा, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर डोमेन में चुनौतियों के बढ़ते महत्व के बावजूद जमीनी युद्ध और जमीनी सेनाएं जरूरी बनी रहेंगी।

एसआईआर विवाद: राष्ट्रीय राजधानी सहित देशभर में पीपुल अगेंस्ट एसआईआर गठबंधन के नेतृत्व में राजनीतिक पार्टियों, छात्र संगठनों, आदिवासियों, किसानों आदि ने प्रदर्शन कर लगाए नारे...

एसआईआर रद्द करो, ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो

नई दिल्ली(एजेंसी) : स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को सिविक सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन, छात्र संघों, किसान संगठनों और अल्पसंख्यक संगठनों के एक साझा गठबंधन ने पीपल अगेंस्ट एसआईआर के बैनर तले देशव्यापी आंदोलन किया गया। दिल्ली में बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास अशोका रोड पर हुए प्रदर्शन में राजनीतिक नेताओं, छात्र संगठनों, सामाजिक कार्यकताओं और अर्थशास्त्रियों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में सीपीआई(एम) की वरिष्ठ नेता वृंदा करात, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और अन्य एक्टिविस्ट शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई और कहा कि जब तक वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआरकी प्रक्रिया है। पीपुल अगेंस्ट एसआईआर

गठबंधन से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने इस प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की। उनका कहना है कि मतदाता सूची से जुड़े किसी भी पुनरीक्षण में मतदाताओं के अधिकारों और उनकी भागीदारी की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग की भूमिका और एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां उठाईं। उनका जोर इस मांग पर रहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें और एसआईआर की प्रक्रिया को वापस लिया जाए। पीपुल अगेंस्ट एसआईआर गठबंधन के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने अपनी मांगों को लेकर एकजुटता दिखाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे एसआईआर को रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

इस्तीफा होने तक आंदोलन रहेगा जारी

प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि उनकी लड़ाई केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित नहीं है, बल्कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवालों को लेकर भी है। उन्होंने घोषणा की कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

हिरासत में 100 से अधिक प्रदर्शनकारी

दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। ये सभी प्रदर्शनकारी सेंट्रल दिल्ली में भारतीय चुनाव आयोग के मुख्यालय की ओर बढ़ रहे थे। मार्च गोले डाक खाना के पास, कालीबाड़ी मार्ग और भाई वीर सिंह मार्ग के चौराहे पर शुरू हुआ, जिसमें शामिल लोग तिरंगा और बैनर लेकर वोटर लिस्ट में बदलाव का काम खत्म करने की मांग कर रहे थे। चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर बढ़ने से पहले लगभग 100-150 लोग गोले डाक खाना में इक्ठा हुए।

1 को रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी रैली

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि 1 नवंबर को रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी रैलियों में से एक होने जा रही है। आरटीआई से हुए खुलासे से पता चलता है कि चुनाव आयोग के कामकाज में सरकार का दखल है। जब भी चुनाव आयोग ने कैबिनेट सचिव को कोई पत्र भेजा, तो उसे इस टिप्पणी के साथ वापस कर दिया गया कि इस पर कार्रवाई करने की कोई जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

कोयला घोटाला मामले में माधव सिंह से ईडी की पूछताछ जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला घोटाले से जुड़े माधव सिंह से पूछताछ शुरू कर दी है।ईडी द्वारा जारी समन के आलोक में वह 23 अक्टूबर को रांची स्थित ईडी कार्यालय में हाजिर हुए।लेकिन पप्पु मंडल, गणेश यादव और रोहित यादव अब भी समन को नजरअंदाज कर रहे हैं। ईडी ने कोयला घोटाले की दूसरे चरण की छापामारी के दायरे में शामिल किये गये लोगों से पूछताछ जारी रखी है।चर्चित व्यापारी एलबी सिंह के पारिवारिक सदस्यों से पूछताछ के बाद ईडी ने दूसरे व्यापारियों से जुड़े लोगों को समन भेजा था।लेकिन इन लोगों ने समन को नजरअंदाज करना शुरू किया। लगातार समन को नजरअंदाज करने के बाद ईडी ने इन लोगों की तलाश शुरू की।इसके बाद माधव सिंह आज ईडी कार्यालय में हाजिर हुए।आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ईडी ने उनसे पूछताछ शुरू की।

फादर बेनेडिक्ट बारला पर जानलेवा हमला घोर निंदनीय,अपराधियों पर सख्त कार्रवाई हो : कैलाश यादव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने खूंटी के आरसी बालक मध्य विद्यालय के प्रिंसिपल फादर बेनेडिक्ट बारला (फादर बेनी) पर अज्ञात हमलावरों द्वारा स्कूल परिसर में धारदार हथियार से जानलेवा हमले का घोर निंदा किया है।कैलाश यादव ने कहा कि फादर बेनी ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा जगत से जुड़े हुए विशिष्ट शिक्षक व्यक्ति है इनके ऊपर किए गए हमले की गहराई से जांच कर अपराधियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत है।श्री यादव ने कहा कि राजद की ओर इनके बेहतर इलाज और जल्द स्वास्थ लाभ की कामना किया है।

डकैती कांड का पुलिस ने किया खुलासा, छह गिरफ्तार, दो कार,नकद और मोबाइल बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।रांची के कांके थाना क्षेत्र में हुई डकैती की वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। रिंग रोड के पास आदर्श नगर कॉलोनी, गागी में एक घर को निशाना बनाकर की गई इस वारदात में पुलिस ने अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जानकारी के अनुसार, कुल 14 अपराधियों की संलिप्तता की पहचान किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से 4.24 लाख रुपये नकद, एक इनोवा कार, एक स्कॉर्पियो और आठ मोबाइल फोन बरामद किए हैं, हालांकि, लूटे गए कीमती जेवरात की बरामदगी अभी बाकी है।पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर 2026 की सुबह करीब 7 बजे कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड के पास आदर्श नगर कॉलोनी, गागी में रामशंकर प्रसाद सिंह के मकान में हथियारबंद अपराधियों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया था। अपराधी घर से कीमती जेवरात और नकदी लूटकर फरार हो गए थे।

रांची नगर निगम : 53 वार्डों में टैक्स कलेक्शन के लिए 24 कर्मी नियुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।रांची नगर निगम ने होल्डिंग टैक्स की वसूली के लिए कर संग्रहकताओं और राजस्व निरीक्षकों की सूची जारी की है।जारी सूची के अनुसार, 24 कर्मचारी शहर के 53 वार्डों में टैक्स वसूली की जिम्मेदारी संभालेंगे।नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे होल्डिंग टैक्स जमा करने के लिए अपने वार्ड के संबंधित कर संग्रहकर्ता या राजस्व निरीक्षक से संपर्क करें।वहीं कर्मचारियों को अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में टैक्स कलेक्ट करने को कहा गया है।नगर निगम का कहना है कि कर्मचारियों की सूची जारी होने से लोगों को अपने वार्ड के जिम्मेदार कर्मी की जानकारी मिल सकेगी। इससे होल्डिंग टैक्स जमा करने में सुविधा होगी और राजस्व संग्रह को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

पलामू को जिला एक्सपोर्ट हब बनाने की दिशा में पहल,डीसी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निर्यात संवर्धन समिति की बैठक आयोजित

पलामू(एजेंसी) :उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय निर्यात संवर्धन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखंड एक्सपोर्ट पॉलिसी-2023 के अनुरूप पलामू को डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने तथा जिले के निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया गया।बैठक में जिले के प्रमुख उत्पादों की पहचान करने, उनके उत्पादन एवं विकास की संभावनाओं का आकलन करने तथा स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही जिले के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने और निर्यात की संभावनाओं को साकार करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया गया।उपायुक्त श्री शेखावत की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिले के उत्पादों की संभावनाओं के अनुरूप जिला एक्शन प्लान तैयार करने पर भी विचार किया गया।

झारखंड हाईकोर्ट ने दो अफीम तस्करों की सजा 8 से घटाकर की 3 साल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।झारखंड हाईकोर्ट ने अफीम तस्करी के मामले में दो मुजरिमों की सजा आठ साल से घटाकर तीन साल कर दी है।हालांकि अदालत ने उनकी दोषसिद्धि बरकरार रखी और दोनों पर लगाये गये 50-50 हजार रुपये के जुमार्ने में कोई बदलाव नहीं किया। अदालत ने कहा कि मामले में सजा बढ़ाने वाले कोई प्रतिकूल कारक सामने नहीं आये हैं और दोनों आरोपी युवा हैं।अदालत ने राज कुमार साव उर्फ राजू कुमार और नगिना उर्फ नकुल यादव की ओर से दायर अलग-अलग आपराधिक अपीलों पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया।दोनों अपीलें लातेहार के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत द्वारा चार मार्च 2025 को सुनायी गयी दोषसिद्धि और निर्धारित सजा के खिलाफ दायर की गयी थी।अभियोजन के अनुसार, दो मई 2016 को हेरहंज थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ गश्त पर थे।इसी दौरान वाहन जांच के क्रम में मोटरसाइकिल सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे।पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल की सीट पर रखे कपड़े के थैले से दो किलो अफीम बरामद

होने का दावा किया गया।पुलिस के मुताबिक, दोनों ने पूछताछ में बताया था कि उन्होंने पांकी थाना क्षेत्र के केकरगढ़ गांव से अफीम खरीदी थी और उसे बेचने के लिए चतरा जा रहे थे।इस मामले में हेरहंज थाना कांड संख्या 09/2016 दर्ज किया गया था। सुनवाई के बाद निचली अदालत ने दोनों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 17(बी) के तहत दोषी ठहराते हुए आठ-आठ साल के सश्रम कारावास और 50-50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनायी थी। जुमार्ना नहीं देने पर एक-एक साल के अतिरिक्त सश्रम कारावास का भी प्रावधान था।हाईकोर्ट में बचाव पक्ष ने दलील दी कि मामले में सभी गवाह पुलिसकर्मी थे और स्वतंत्र गवाह पेश नहीं किया गया।जब्ती सूची तैयार करने और अफीम का वजन करने के स्थान को लेकर गवाहों के बयानों में अंतर था। आरोपियों को मोटरसाइकिल के साथ पकड़े जाने या वहां से भागने के बाद पकड़ने के संबंध में भी अलग-अलग बातें सामने आयी थीं। इसके अलावा, जब्त पदार्थ को मालखाने में जमा करने और अदालत में पेश करने की प्रक्रिया में भी विसंगतियां बतायी गयीं।मोटरसाइकिल के स्वामित्व से संबंधित ठोस साक्ष्य नहीं होने की दलील भी दी गयी।बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि यह आरोपियों का पहला अपराध है, वे युवा हैं और करीब डेढ़ साल तक जेल में रह चुके हैं। वर्ष 2016 से मुकदमे का सामना करने के कारण उन्हें काफी परेशानी हुई है। इसलिए सजा घटाकर जेल में बितायी गयी अवधि तक सीमित करने की मांग की गयी।

दारू अंचल में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, दुकानों से लगभग 71 लीटर एक्सपायरी कोल्ड ड्रिंक जब्त कर मौके पर कराया गया नष्ट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग ।हजारीबाग उपायुक्त हेमंत सती एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग, डॉ. शशि जायसवाल के निदेर्शानुसार शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा दारू अंचल अंतर्गत विभिन्न दुकानों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान सत्यम स्टोर में लगभग 65 लीटर तथा एम.बी. मार्ट में लगभग 6 लीटर एक्सपायरी कोल्ड ड्रिंक पाई गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा उक्त कोल्ड ड्रिंक को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

निरीक्षण के क्रम में संबंधित प्रतिष्ठानों को खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा पाई गई कमियों को दूर करने के लिए 14 दिनों का समय दिया गया।साथ ही, खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध अग्रेतर कार्रवाई करने की बात कही गई।खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी दुकानदारों एवं खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों को निर्देश दिया है कि वे उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराएं तथा एक्सपायरी खाद्य पदार्थों एवं पेय पदार्थों की बिक्री किसी भी परिस्थिति में न करें।

विधानसभा अध्यक्ष ने करोड़ों की लागत से बनने वाले स्कूल भवन निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

जामताड़ा (एजेंसी) : विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र नाला के उत्क्रमित प्लस टू हाई स्कूल अफजलपुर में पांच अतिरिक्त वर्ग कक्ष निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने नारियल फोड़कर तथा फीता काटकर शिलान्यास किया।इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के कई हाई स्कूल को प्लस टू स्कूल में उत्क्रमित कर दिया गया है लेकिन वहां वर्ग कक्ष, सहित अन्य सुविधाओं की कमी थी जिससे बच्चों को परेशानी हो रही थी इसी को देखते हुए आज भवन निर्माण के लिए शिलान्यास किया गया है । उन्होंने कहा कि एक करोड़ 86 लाख से भवन निर्माण कार्य कराया जाना है। इस भवन में वर्ग कक्ष,लाइब्रेरी, प्रयोगशाला सहित कई अन्य इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लगातार कई दिनों तक विधानसभा क्षेत्र के कई वैसे स्कूल हैं जिसे प्लस टू स्कूल में उत्क्रमित किया गया है वहां अतिरिक्त वर्ग कक्ष निर्माण के लिए शिलान्यास किया जाना है ताकि विद्यार्थियों को परेशानी ना हो।

जतरा आदिवासी समाज की सभ्यता व संस्कृति की पहचान, इसे संजोए रखने की जरूरत: चमरा लिंडा

लोहरदगा (एजेंसी) : लोहरदगा जिले के कुडू प्रखंड़ के सुकुरहुटू गांव में सात पड़हा जतरा का आयोजन शुक्रवार को किया गया।जतरा समारोह के मुख्य अतिथि राज्य के अनुसुचित जाति, अनुसुचित जनजाति कल्याण मंत्री चमरा लिंडा व विशिष्ट अतिथि कांग्रेस नेता रोहित प्रियदर्शी उरांव थे। जतरा समारोह को संबोधित करते हुए कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि जतरा आदिवासी समाज के सभ्यता व संस्कृति की पहचान है। जतरा एक दुसरे को मिलाने का साधन है।जतरा के माध्यम से आदिवासी परंपरा व प्राकृतिक के पुजन व उपासना का त्योहार मनाया जाता है। आदिवासी प्राकृतिक के पुजक व उपासक हैं, इस संस्कृति को बचाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता सह विधायक पुत्र रोहित प्रियदर्शी उरांव ने कहा कि आदिवासी जतरा आदिवासी समाज की पहचान हैं। जतरा समारोह के माध्यम से एक दुसरे के बीच लोग आते हैं व एक दूसरे को प्रेम देते हैं। पडहा जतरा के माध्यम से किसान प्राकृतिक को नया धान की फसल अर्पित करते हुए धरती माता को प्रसन्न करते हैं व अराधना करते हैं कि अगले साल बेहतर बारिश हो व बेहतर फसल का उत्पादन हो।इससे पहले अतिथियों का स्वागत किया गया।जतरा में प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों के साथ - साथ कैरो, चान्हो, भंडरा सहित अन्य क्षेत्रों के आदिवासी खोडहा शामिल हुए।सभी खोडहा को सम्मानित किया गया।मौके पर मंत्री चमरा लिंडा कांग्रेस नेता रोहित प्रियदर्शी उरांव जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव, जिप सदस्य रीना उरांव विधायक प्रतिनिधि निशिथ जयसवाल विधायक के निजी सचिव संजय दुबे आईटीडीए परियोजना निदेशक नीलम सुषमा सोरेंग जिला कल्याण पदाधिकारी सरस्वती कच्छप सीओ संतोष उरांव उपप्रमुख ऐनुल अंसारी, शंकर उरांव, जतरू उरांव, अवधेश उरांव, अमित उरांव, रविन्द्र उरांव, अनुप भगत, बन्ना उरांव, विश्राम उरांव, संजय उरांव, जितेंद्र उरांव, घमडू पहान, भिनसरा पुजार, दिलिप उरांव, शनिदेव उरांव, रुपनरायण उरांव, दुबराज उरांव, धर्मदेव भगत, राधा सहित सहित अन्य शामिल थे।

वित्त मंत्री ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र: मानव संपदा पोर्टल को हर 3 माह में 7 दिन के लिए खोलने पर करें विचार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची ।मानव संपदा पोर्टल को खोलने को लेकर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने एक बार फिर से मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि प्रक्रियात्मक जटिलताओं को खत्म करने के दृष्टिकोण से पोर्टल को हर तीन माह में सात दिन के लिए खोलने पर विचार करें।इससे पहले भी वित्त मंत्री ने मुख्य सचिव को इसे लेकर पत्र लिखा था।मुख्य सचिव को पत्र लिखने से पहले वित्त मंत्री ने कार्मिक सचिव को पत्र लिखा था। उनसे पूछा कि पोर्टल को खोलने में कौन-सी वैधानिक दिक्कत है, यह बतायें, लेकिन उसका जवाब उन्हें नहीं मिला।इस बीच झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने भी एक बयान जारी कर कहा है कि कनीय कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े मामलों का

निष्पादन होने से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमा या पद पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।इसके बावजूद फाइलों को अनावश्यक रूप से इधर-उधर घुमाकर विलंब किया जाना अत्यंत चिंताजनक है।झारखंड पुलिस एसोसिएशन सभी नियमों व नियमावलियों का पूर्ण रूप से समर्थन करती है।एसोसिएशन का सदैव यही प्रयास रहता है कि कहीं भी कोई अनियमितता न हो। यदि किसी प्रक्रिया या छूट से राज्य अथवा किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं हो रहा है, तो प्रशासनिक निर्णयों में मानवीय आधार को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। शुक्रवार को मुख्य सचिव को लिखे पत्र में वित्त मंत्री ने कहा है कि झारखंड पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मानव संपदा पोर्टल खुलवाने का आग्रह किया था।उन्होंने कार्मिक सचिव को इसे लेकर कहा। कार्मिक सचिव ने स्पष्ट बताया कि जनवरी व फरवरी में पोर्टल खुलता है। किसी और माह में खोलना ईज ऑफ गवर्नेंस के सिद्धांत के विरुद्ध है।वित्त मंत्री ने पत्र में आगे लिखा है अगर पुलिस के 300 से अधिक कनीय पदाधिकारी समय पर पोर्टल में संपत्ति का ब्योरा दर्ज नहीं करा पाये हैं, तो उनके लिए पोर्टल को खोला जाना चाहिए।इससे कार्मिक विभाग को कोई प्रशासनिक या वित्तीय नुकसान नहीं होगा।

डीसी का छठ महापर्व को सुरक्षित बनाने पर विशेष जोर, दीपावली व काली पूजा के लिए भी सख्त हिदायत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची ।आगामी दीपावली, काली पूजा छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से छठ महापर्व के साथ-साथ दीपावली और काली पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता तथा विसर्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर पारस राणा, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गौरव गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक यातायात राकेश सिंह, अनुमण्डल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण, अपर जिला

दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, नजारत उपसमाहर्त्ता डॉ. सुदेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पाण्डेय सहित बिजली विभाग, नगर निगम, अग्निशमन एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने स्पष्ट किया कि छठ महापर्व श्रद्धा और आस्था का पर्व है, इसलिए इसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पूजा समितियों के साथ समन्वय कर पूर्व जांच सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।यातायात व्यवस्था सुचारु रखने, प्रतिबंधित/असुरक्षित पटाखों की बिक्री-उपयोग पर निगरानी रखने तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के निर्देश दिए गए। रात्रि 10 बजे के बाद ध्वनि प्रदूषण न हो, इस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। पूजा समितियों को अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने तथा व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिला दण्डाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, विद्युत सुरक्षा में लापरवाही, असुरक्षित पंडाल निर्माण या विसर्जन नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने सभी पूजा समितियों, प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ छठ महापर्व सहित अन्य पर्व-त्यौहारों को सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की अपील की।

हाई कोर्ट अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती की संदिग्ध मौत, परिजनों ने शव लेने से किया इनकार,पति की गिरफ्तारी की मांग

हजारीबाग (एजेंसी) :हजारीबाग के बड़ा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बंगाली कॉलोनी के गुप्ता कॉम्प्लेक्स में 28 वर्षीय हाई कोर्ट अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती के संदिग्ध मौत ने कई सवाल खड़ा कर दिए हैं। 28 घंटे होने को हैं और अब तक अंतिम संस्कार नहीं हुआ है।झारखंड हाई कोर्ट कि अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती की संदिग्ध मौत ने पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। 28 घंटे बीतने को हैं और अब तक इस मामले के मुख्य आरोपी अनुष्का चक्रवर्ती के पति कुशाग्र रुद्र और ससुराल वाले की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। रामगढ़ विधायक ममता देवी हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज पहुंची। जहां इन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात किया है। इन्होंने कहा कि परिजन और शुभचिंतकों का एक ही मांग है कि आरोपी की गिरफ्तारी जल्द से जल्द हो जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी अंतिम संस्कार भी नहीं किया जाएगा। ममता देवी ने यह भी कहा कि परिजनों का कहना है कि स्थिति प्रतिकूल होगी तो अंतिम संस्कार आरोपी के घर के आंगन में किया जाएगा।एसडीपीओ सदर रूपेश कुमार ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीम गठित की गई है। हजारीबाग एसपी अमन कुमार पूरे मामले का स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं।बहुत जल्द गिरफ्तारी होगी .वहीं उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार करने की बात परिवार वालों पर निर्भर करता है।दरअसल गुरुवार, 22 अक्टूबर को कमरे की छत से अनुष्का का लटका उनका शव मिला था।मृतक के पिता ने अपने दामाद कुशाग्र रुद्र पर बेटी को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

23 हाथियों के झुंड से गुमला में दहशत, खेतों में घुसकर फसलें कर रहे बर्बाद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला। गुमला जिले में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। करीब एक महीने से हाथियों के झुंड की आवाजाही से परेशान ग्रामीणों की मुश्किलें अब कामडरा प्रखंड तक पहुंच गई हैं। पालकोट और बसिया क्षेत्र में उत्पात मचाने के बाद 23 हाथियों का दल पिछले पांच-छह दिनों से कामडरा क्षेत्र में विचरण कर रहा है। झुंड में पांच छोटे बच्चे भी शामिल हैं। हाथियों के खेतों में घुसकर फसलें बर्बाद करने से किसानों की चिंता बढ़ गई है।बसिया वन प्रमंडल के अधिकारी शेखर सिंह के अनुसार, हाथियों का झुंड फिलहाल कामडरा प्रखंड के कोड़ेकेड़ा जंगल में है। वन विभाग की 10 सदस्यीय टीम 24 घंटे हाथियों की निगरानी कर रही है। विभाग की कोशिश है कि झुंड को सुरक्षित तरीके से सारंडा जंगल की ओर भेजा जाए। हालांकि, हाथियों की संख्या अधिक होने के कारण उन्हें नियंत्रित दिशा में आगे बढ़ाने में परेशानी हो रही है।बताया गया कि यह झुंड करीब एक महीने तक पालकोट और बसिया क्षेत्र में रहा था। इसके बाद इसे सिमडेगा की ओर खदेड़ा गया, लेकिन पांच-छह दिन पहले हाथियों का दल फिर कामडरा क्षेत्र में पहुंच गया। कुछ दिन पहले झुंड से एक हाथी का बच्चा बिछड़ गया था। वन विभाग की टीम ने उसे सुरक्षित बचाकर दोबारा झुंड से मिला दिया।हाथियों के उत्पात से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रभावित ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों ने केला, ईख, आलू, फूलगोभी, शकरकंद, धान समेत कई फसलों को नुकसान पहुंचाया है। प्रभावित किसानों में लक्ष्मण ओहदार, बुधवा खड़िया, खिरोधर नाग, रामजीत नाग, सुजीत नाग और सनिका इंदवार सहित अन्य ग्रामीणों के नाम शामिल हैं।खेतों में तैयार फसलों की बबार्दी से किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया है। खेती पर निर्भर परिवारों के सामने आर्थिक संकट गहराने की आशंका है। प्रभावित किसानों ने वन विभाग से नुकसान का आकलन कर जल्द मुआवजा भुगतान करने की मांग की है।हाथियों को आबादी और खेतों से दूर रखने के लिए वन विभाग ग्रामीणों की मदद ले रहा है। इसके लिए ग्रामीणों को मशाल, पटाखे और टॉर्च उपलब्ध कराए गए हैं। इसके बावजूद 23 हाथियों के बड़े झुंड को सुरक्षित तरीके से दूसरी ओर भेजना चुनौती बना हुआ है।वन विभाग ने ग्रामीणों से जंगल की ओर नहीं जाने और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि हाथियों को छेड़ने या उनके नजदीक जाने पर वे आक्रामक हो सकते हैं। ऐसे में ग्रामीण सतर्क रहें और हाथियों के दिखने पर उनके पास जाने के बजाय वन विभाग को सूचना दें।लगातार बदलते ठिकाने और फसलों को हो रहे नुकसान के कारण पालकोट, बसिया और अब कामडरा क्षेत्र के ग्रामीणों में भय का माहौल है। किसानों की नजर अब वन विभाग की निगरानी और मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया पर टिकी है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

मिडिल स्कूल में कचरा प्रबंधन के लिए डस्टबिन का वितरण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) में विशेष अभियान में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन एवं कार्यस्थलों को सुव्यवस्थित बनाने से संबंधित विभिन्न गतिविधियां निरंतर संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को वाशरी डिवीजन के विभिन्न विभागों में चिन्हित स्थानों तथा सीसीडब्ल्यूओ मिडिल स्कूल में डस्टबिन (कचरा पात्र) वितरित किए गए।इस पहल का उद्देश्य कार्यालय एवं शैक्षणिक परिसर में कचरे के उचित संग्रहण और पृथक्करण को बढ़ावा देना तथा स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण बनाए रखने में सहयोग करना रहा। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक (वाशरी) सोहेल इकबाल एवं क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) उपस्थित रहे। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सहभागिता की और अपने कार्यस्थल एवं आसपास के परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की।अधिकारियों ने इस पहल के माध्यम से कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और दैनिक व्यवहार में जिम्मेदार कचरा प्रबंधन की आदत विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डस्टबिन की उपलब्धता से कचरे के व्यवस्थित संग्रहण तथा उसके उचित निस्तारण की प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिलेगा।विदित हो कि विशेष अभियान के अंतर्गत बीसीसीएल के अन्य क्षेत्रों एवं इकाइयों में भी स्वच्छता, कार्यालय एवं परिसर की साफ-सफाई तथा कचरा प्रबंधन से संबंधित विविध गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।

महिला यात्री का पर्स टीटीई ने आरपीएफ को सौंपा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद मंडल में कार्यरत अमित कुमार पंडित, टीटीई ने ट्रेन संख्या 08662 अलीपुरद्वाररां ची स्पेशल गाड़ी में मिले महिला के पर्स को सुरक्षित रूप से आरपीएफ को सौंप दिया। जसीडीह स्टेशन पर टिकट जांच के दौरान बी-1 कोच में उन्हें एक महिला यात्री का पर्स मिला। उन्होंने पर्स को सुरक्षित रूप से चित्तरंजन में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को सुपुर्द कर दिया। पर्स में एक मोबाइल फोन, 22,110/- भारतीय मुद्रा, एक सोने का मंगलसूत्र तथा कुछ नेपाली मुद्रा थी। पर्स में रखे सभी सामान का विवरण रेलवे द्वारा उपलब्ध कराए गए बॉडी कैमरे में वीडियो रिकॉर्ड किया गया। साथ ही, टैब की सहायता से संबंधित महिला यात्री का मोबाइल नंबर प्राप्त कर उनसे संपर्क स्थापित किया गया तथा उन्हें पर्स वापस प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। अमित कुमार पंडित का यह सराहनीय कार्य रेलवे कर्मचारियों की ईमानदारी, जिम्मेदारी एवं यात्री सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। धनबाद मंडल अपने कर्मचारियों के ऐसे कर्तव्यनिष्ठ एवं सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करता है।

खटाल खाली कराने के नोटिस से 200 परिवारों पर बेघर होने का खतरा, उपायुक्त कार्यालय पहुंच लगाई पुनर्वास की गुहार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।बरमुंडी स्थित खटाल को खाली कराने और भूमि मापी की कार्रवाई से आक्रोशित व चिंतित सैकड़ों खटाल विस्थापित शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। पीड़ितों ने अपनी समस्याओं को लेकर प्रशासन और सरकार के समक्ष पुनर्वास की पुरजोर गुहार लगाई।खटालवासियों का कहना है कि लगभग 22-23 वर्ष पूर्व (वर्ष 2005 के दौरान) तत्कालीन जिला प्रशासन ने उन्हें बेकारबांध तालाब के पास से हटाकर बरमुंडी में बसाया था। उस समय वहां वीरान जंगल जैसा माहौल था, जहां लोगों ने अपनी मेहनत से झोपड़ियां बनाकर रहना शुरू किया। अब उस इलाके का तेजी से शहरीकरण हो गया है और आसपास बड़े-बड़े शोरूम व व्यावसायिक प्रतिष्ठान बन गए हैं, जिसके बाद प्रशासन को अचानक यह भूमि अतिक्रमण नजर आने लगी है।विस्थापितों ने स्पष्ट किया कि प्रशासन उनसे पक्के मकान हटाने और खटाल खाली करने को कह रहा है।पीड़ितों के अनुसार, तत्कालीन डीसी द्वारा दिए गए आवंटन और प्रशासनिक कागजातों को निकालकर वे अपनी बात रखेंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि यदि भूमि खाली कराई जाती है, तो पहले सभी 200 परिवारों के पुनर्वास (आवास/कॉलोनी) का समुचित प्रबंध किया जाए। केवल गरीबों की झोपड़ियों को निशाना न बनाया जाए, यदि कार्रवाई हो तो आसपास के बड़े-बड़े अतिक्रमणकारियों पर भी निष्पक्ष रूप से हो।खटालवासियों ने चेतावनी दी है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाएंगे और यदि उन्हें बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उजाड़ा गया, तो वे उग्र आंदोलन और धनबाद बंद करने को विवश होंगे।

खनन प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ हवा और टिकाऊ विकास पर मंथन

क्लीन एयर संवाद में शामिल हुए डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी- आईएसएम) धनबाद और असर सोशल इंपैक्ट एडवाइजर्स ने शुक्रवार को आईआईटी आईएसएम परिसर में ह्यक्लीन एयर संवाद 2026: स्वच्छ हवा, स्वस्थ समुदाय और टिकाऊ खनन का आयोजन किया। संवाद में जिला प्रशासन, शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों, खनन क्षेत्र, नागरिक समाज संगठनों और स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में खनन प्रभावित क्षेत्रों में वायु प्रदूषण, जनस्वास्थ्य, पर्यावरणीय चुनौतियों और टिकाऊ आजीविका के विकल्पों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान ह्यटुवड्र्स सस्टेनेबल माइनिंग एंड हेल्थियर लाइव्स इन धनबादह्ल रिपोर्ट का विमोचन किया गया। रिपोर्ट में खनन प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों के अनुभवों, वायु प्रदूषण से जुड़ी चिंताओं, स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों और स्थानीय विकास की प्राथमिकताओं को सामने लाया गया है। बंद खदानों के पुनरुद्धार और व्यावहारिक समाधानों पर जोर

डीसी आदित्य रंजन ने कहा कि धनबाद में सक्रिय कोयला खदानों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों की निकटता के कारण वायु प्रदूषण की चुनौती गंभीर और विशिष्ट है। उन्होंने यूरोप के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि बंद खदानों के वैज्ञानिक पुनरुद्धार और उनके वैकल्पिक उपयोग से पर्यावरणीय सुधार के साथ आर्थिक अवसर भी पैदा किए जा सकते हैं। उन्होंने भारत में सफल अंतरराष्ट्रीय मॉडलों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने की जरूरत बताई। उनके अनुसार, बंद भूमिगत खदानों के पानी से भू-तापीय ऊर्जा उत्पादन तथा गहरी ओपन-कास्ट खदानों को कृत्रिम झीलों और अन्य उपयोगी स्थलों में बदलने जैसे विकल्पों का अध्ययन किया जा सकता है। उपायुक्त ने शोधकताओं और तकनीकी संस्थानों से ऐसे शोध पर जोर देने की अपील की, जिन्हें जमीन पर लागू किया जा सके। उन्होंने ओवरबर्डन (डइ) डंप से उड़ने वाली धूल और काली राख पर नियंत्रण तथा प्लास्टिक कचरे के उपयोग से सड़क निर्माण जैसे उपायों पर भी विचार करने का सुझाव दिया। खनन प्रभावित समुदायों की भागीदारी जरूरी डीसी ने कहा कि पर्यावरण सुधार से जुड़ी योजनाओं में स्थानीय समुदायों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। समुदायों को सड़क और नाली जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ स्वच्छ हवा, धूल नियंत्रण और जनस्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर भी अपनी मांग रखने के लिए जागरूक करना होगा। उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्रों में जमीन धंसने, वायु एवं जल प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को देखते हुए अगली पीढ़ी के लिए कोयले से इतर रोजगार के अवसर विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और शहरी सुविधाओं के विकास के साथ धनबाद में पैदल चलने तथा साइकिल चलाने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा विकसित करने की जरूरत बताई। उन्होंने सभी संबंधित संस्थानों और हितधारकों से स्वच्छ हवा और स्वस्थ जीवन के लिए मिलकर काम करने की अपील की। ह्यखनन प्रभावित क्षेत्रों में सहभागी दृष्टिकोण को मजबूत करनाह्ल विषय पर आयोजित तकनीकी सत्र का संचालन शशिधर झा ने किया। सत्र में पर्यावरण समिति के प्रतिनिधि भोलनाथ राम, हृदय रोग विशेषज्ञ एवं पूर्व उप अधीक्षक डॉ. सुनील सिन्हा तथा ज्ञान विज्ञान समिति के रवि सिंह ने पर्यावरणीय अनुपालन, धूल नियंत्रण और जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए 'बारामुड़ी खटाल' में नाइट ब्लड सर्वे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद: राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन के लिए धनबाद सदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर बिशनपुर के सेंटिनल साइट 'बारामुड़ी खटाल' में नाइट ब्लड सर्वे की शुरूआत हुई।शुभारंभ मुख्य अतिथि सह प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. संजीव कुमार प्रसाद ने इसकी शुरूआत की। इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार प्रसाद ने जनसमूह व स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर व दिव्यांगता उत्पन्न करने वाली बीमारी है, लेकिन समय पर जांच और दवा सेवन से इससे पूरी तरह बचा जा सकता है। बताया कि फाइलेरिया के परजीवी (माइक्रोफाइलेरिया) रात के समय (विशेषकर रात 8:30 बजे से 12:00 बजे के बीच) ही परिधीय रक्त में अधिक सक्रिय होते हैं, इसलिए यह जांच रात्रि में की जाती है। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में फाइलेरिया के संक्रमण दर का सटीक आकलन करना है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने सर्वे की तकनीकी प्रक्रिया और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकताओं को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार सावधानीपूर्वक रक्त नमूने संकलित करने के निर्देश दिए। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनीता चौधरी ने क्षेत्रीय निवासियों से जांच दल का सहयोग करने और बिना किसी झिझक के रक्त परीक्षण कराने की अपील की। मौके पर जिला वीबीडी कंसलटेंट रमेश कुमार सिंह, कार्यक्रम पदाधिकारी मो. खालिद, सीएचओ, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एएनएम, एसएफडब्ल्यू, एफडब्ल्यू, सहिया साथी, सहिया दीदियां एवं स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीमें आगामी दिनों में चिन्हित स्थलों पर रात के समय रक्त पट्टिकाएं तैयार कर जांच का कार्य जारी रखेंगी।

जनता दरबार में डीसी ने सुनी आमजनों की समस्याएं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं एवं आवश्यकताएं रखीं। जनता दरबार में मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना का लाभ दिलाने, जन्म प्रमाण पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने, मुख्य सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगवाने, जमीन मापी में बाधा उत्पन्न करने की शिकायत फरियादियों ने की। बैंक अकाउंट से गलत निकासी कर लेने, गैर मजुरवा जमीन पर अवैध निर्माण होने, जमीन अधिग्रहण के 10 वर्ष बाद भी मुआवजा नहीं मिलने, को-ऑपरेटिव समिति द्वारा जमा कराई गई रकम वापस नहीं करने, सड़क निर्माण तथा जमीन विवाद से जुड़े मामले भी आए। इसके अतिरिक्त धमकी, ठगी, ड्राइविंग लाइसेंस, अवैध निर्माण, मुआवजा एवं राशन कार्ड से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए। जनता दरबार में आमजनों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों के माध्यम से विभिन्न जनहित से जुड़ी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा गया। उपायुक्त ने संबंधित मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा सके।

होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया हुई पूरी, वेबसाइट पर रिजल्ट जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिले में होमगार्ड भर्ती की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। 1066 होमगार्ड की बहाली की जानी है। जिले के आधिकारिक वेबसाइट पर शुक्रवार देर रात रिजल्ट (चयनित सूची) का प्रकाशन कर दिया है। उपायुक्तसह-अध्यक्ष, गृह रक्षक नवनामांकन समिति आदित्य रंजन की अध्यक्षता में होमगार्ड नवनामांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें धनबाद जिले में चयनित होमगार्ड अभ्यर्थियों के मेडिकल, आवासीय प्रमाण पत्रों की जांच तथा पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1066 होमगार्ड अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस संबंध में डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन ने होमगार्ड भर्ती परीक्षा को पूरी पारदर्शिता और शुचिता के साथ संपन्न कराया है। ठीक उसी मानक के तहत मेडिकल, आवासीय प्रमाण पत्रों की जांच तथा पुलिस चरित्र

सत्यापन की प्रक्रिया को भी पूर्ण कराया है। जिसके बाद केवल योग्य अभ्यर्थियों का ही अंतिम चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि होमगार्ड के लिए 1096 अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। अभ्यर्थियों के मेडिकल, आवासीय प्रमाण पत्रों की जांच तथा पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया के बाद होमगार्ड नवनामांकन समिति ने 1066 अभ्यर्थियों का चयन किया है। चयनित 1066 अभ्यर्थियों की सूची का आज जिला प्रशासन की अधिकृत वेबसाइट पर प्रकाशन कर दिया गया। अब इन सभी चयनित अभ्यर्थियों को आगामी प्रशिक्षण सत्र के लिए भेजा जाएगा, जिससे वे दक्ष होकर विधि-व्यवस्था एवं जनसेवा में अपना सक्रिय योगदान दे सकेंगे। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि व्यवस्था) अरविंद कुमार ओझा, अनुमण्डल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, जिला समादेष्टा सूर्यकांत कुमार तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

20 नवम्बर से अल्ट्रा साउंड सेंटरों की होगी जांच

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट जिला सलाहकार समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अल्ट्रा साइंड सेंटरों की सघन जांच का निर्णय लिया गया। जांच अभियान 20 नवंबर से एक दिसंबर तक चलेगा। इसके पहले सभी अल्ट्रा साउंड सेंटरों को सभी कमियां दूर करने की हिदायत दी गई है। सभी सेंटरों को रेट चार्ट प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक की अध्यक्षता डीसी आदित्य रंजन ने की। बैठक में अल्ट्रा साउंड के नए रजिस्ट्रेशन के लिए प्राप्त 18 आवेदनों तथा रिन्यूअल के लिए प्राप्त 17 आवेदनों की समीक्षा की

गई। समीक्षा के क्रम में निर्धारित मानकों में कमी पाए जाने पर नए रजिस्ट्रेशन के 3 आवेदनों को अस्वीकृत कर दिया गया। जबकि रिन्यूअल के लिए प्रस्तुत 17 आवेदनों में से एक अल्ट्रासाउंड सेंटर के आवेदन को नियमों की अनदेखी के चलते निरस्त किया गया। रिन्यूअल संबंधी अन्य मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नवीनीकरण से पूर्व संबंधित सभी सेंटरों को नोटिस जारी करें और पाई गई कमियों को दुरुस्त कराया जाए। डीसी ने समिति को जिले के सभी अल्ट्रासाउंड क्लिनिकों का नियमित एवं औचक निरीक्षण जारी रखने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी क्लीनिकों में जांच दरों से संबंधित 'रेट चार्ट' आम जनता के अवलोकनार्थ प्रमुखता से प्रदर्शित करने का सख्त निर्देश दिया। बैठक में प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. संजीव कुमार प्रसाद, कार्यपालक दंडाधिकारी श्री नारायण राम, डॉ. विकास राणा, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. राकेश इंदर सिंह, एपीपी सत्येंद्र कुमार राय, नीता सिन्हा, पूजा रत्नाकर एवं सीएस कार्यालय के आरके श्रीवास्तव उपस्थित थे।

आईआईटी धनबाद के विश्वजीत को जेएसटी-लोटस फेलोशिप

धनबाद। आईआईटी आईएसएम धनबाद के मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग विभाग के रिसर्च स्कॉलर विश्वजीत बेरा को जेएसटी-लोटस फेलोशिप 2026 के एस्पायर कैटेगरी के तहत चुना गया है। इस फेलोशिप के जरिए उन्हें जापान में इंटरनेशनल रिसर्च और एकेडमिक कोलैबोरेशन का अवसर मिलेगा। फेलोशिप के तहत वे जापान की यूनिवर्सिटी ऑफ ओसाका में रिसर्च करेंगे। इस दौरान आईआईटी धनबाद के मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुधाकर कुमावत भारतीय पक्ष से उनके सुपरवाइजर होंगे। इस पहल का उद्देश्य भारत और जापान के संस्थानों के बीच ज्वाइंट रिसर्च, एकेडमिक एक्सचेंज और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देना है। जापान साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी (जेएसटी) की इस फेलोशिप के जरिए युवा रिसर्चर्स को जापानी संस्थानों के साथ काम करने, नई रिसर्च तकनीकों से परिचित होने और इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क विकसित करने का मौका मिलता है। बेरा का चयन संस्थान के रिसर्च स्कॉलर्स के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिसर्च के नए अवसरों को दशार्ता है। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए जापान में उनके सफल और उपयोगी रिसर्च अनुभव की कामना की है।

कल्याण भवन बीसीसीएल में पब्लिक पब्लिक प्रोक्योरमेंट पर प्रशिक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान (17 अगस्त से 16 नवंबर 2026) के अंतर्गत आज कल्याण भवन (एचआरडी) बीसीसीएल में पब्लिक प्रोक्योरमेंट विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोयला भवन मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारियों ने भाग लिया। रिसोर्स पर्सन के रूप में कोयला भवन मुख्यालय से विक्की आनंद, उप प्रबंधक (खनन/सामग्री प्रबंधन) उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र में खरीद प्रक्रिया के नियामकीय एवं प्रशासनिक ढाँचे, खरीद की विभिन्न

श्रेणियों तथा कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख डिजिटल पोर्टलों की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। साथ ही निविदा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों पर विस्तार से प्रकाश डाला।इस दौरान प्रतिभागियों को सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों, इंटीग्रिटी पैक्ट तथा खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता के बारे में अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहन देने तथा ह्यमेक इन इंडियाह्ल के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों एवं सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों के अनुरूप खरीद प्रक्रिया के संचालन पर भी जानकारी साझा की गई।कार्यक्रम का उद्देश्य सार्वजनिक खरीद से संबंधित नियमों, प्रक्रियाओं एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के प्रति अधिकारियों की जानकारी को सुदृढ़ करना तथा दैनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही, निष्पक्षता एवं सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देना था। विदित हो कि केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बीसीसीएल मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों में 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक तीन माह का निवारक सतर्कता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक प्रशासन में सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देना तथा विभिन्न जागरूकता एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से सतर्कता संबंधी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना है। इसी क्रम में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारियों को सार्वजनिक खरीद में नियामकीय अनुपालन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के महत्व से अवगत कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

सीएमएसओई स्कूल में मानसिक स्वास्थ्य व पयार्वरण जागरूकता कार्यशाला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। समाज कल्याण विभाग द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को डिस्ट्रिक्ट सीएमएसओई स्कूल, धनबाद में एक दिवसीय जागरूकता एवं मानसिक कल्याण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के कुल 211 छात्र-छात्राओं और शिक्षक-कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण और बालिका सशक्तीकरण के प्रतीक के रूप में पौधारोपण अभियान से हुई। 5 फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सतत विकास की भावना को बढ़ावा देना रहा। इसके उपरांत छात्रों के भावनात्मक और मानसिक

स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ मनोवैज्ञानिक प्रियरंजन ने विद्यार्थियों को विचार, भावना और व्यवहार के आपसी समन्वय की जानकारी दी। उन्होंने आत्म-जागरूकता, भावनात्मक संतुलन तथा दैनिक जीवन में तनाव प्रबंधन के व्यावहारिक तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को एकाग्रता बढ़ाने और मानसिक शांति के लिए 'गाइडेड मेडिटेशन' का अभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों ने भी अपनी दैनिक चुनौतियों और उनसे निपटने की रणनीतियों को साझा किया। इस पूरे कार्यक्रम के संचालन में सेंटर फॉर कैटालाइज़िंग चेंज के शुभम केशरी ने महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोग प्रदान किया। विद्यालय प्रबंधन ने इस आयोजन को छात्राओं के समग्र विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

24-10-2026 T.P. Page 4_Layout 1 24-10-2026 06:52 Page 1

संक्षिप्त खबरें

बंगाल की खाड़ी में बन रहा साइक्लोन, 26 अक्टूबर से झारखंड में होगी बारिश

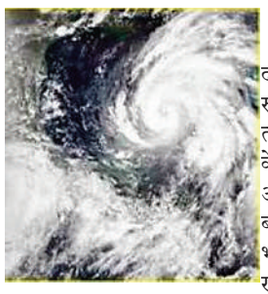

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र तेजी से साइक्लोन का रूप ले रहा है।आगामी 26 अक्टूबर तक इसके आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटीय इलाकों से टकराने की आशंका है। खाड़ी में हो रहे इस बदलाव का सीधा प्रभाव झारखंड पर भी पड़ेगा।मौसम विभाग के अनुसार, खाड़ी में बना यह निम्न दबाव 24 अक्टूबर तक और अधिक गहरा हो जाएगा।इसके बाद यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ते हुए 25 अक्टूबर तक एक बेहद शक्तिशाली दबाव वाले क्षेत्र में बदल जाएगा।हवा का यह गहरा दबाव 26 अक्टूबर की सुबह तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक पूर्ण साइक्लोन बन जाएगा। इसके बाद यह तूफान आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटीय इलाकों की ओर तेजी से बढ़ेगा।इस साइक्लोन का असर झारखंड के मौसम पर भी व्यापक रूप से पड़ेगा। 26 अक्टूबर से रांची, कोल्हान सहित राज्य के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में मौसम अचानक करवट लेगा।इस दौरान आसमान में घने बादल छाने के साथ-साथ तेज हवाएं चलने और झमाझम बारिश होने की प्रबल संभावना है।

रांची रेलवे स्टेशन पर बनेगा 2000 यात्रियों की क्षमता वाला होल्डिंग एरिया, भीड़ और भगदड़ से मिलेगी राहत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।रांची रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए 2000 लोगों की क्षमता वाला स्थाई होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा। इसके निर्माण के लिए दिल्ली से आयी राइट्स की विशेषज्ञ टीम ने स्टेशन का मुआयना शुरू कर दिया है।इस प्रोजेक्ट को अगले 6 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।होल्डिंग एरिया में यात्रियों के लिए सभी जरूरी सहूलियतें एक ही जगह मौजूद होंगी। यहां टिकट काउंटर, स्वच्छ पेयजल, टॉयलेट्स और बैठने की उचित व्यवस्था की जाएगी।इसके बनने से यात्रियों को सुरक्षित माहौल मिलेगा।होल्डिंग एरिया का निर्माण त्योहारों या विशेष ट्रेनों के दौरान अचानक बढ़ने वाली भीड़ को सुरक्षित तरीके से संभालने के लिए किया जाता है। इसका मकसद प्लेटफॉर्म को भीड़भाड़ से मुक्त रखना है, ताकि भगदड़ जैसी स्थितियों से बचा जा सके।वर्तमान में भीड़ को संभालने के लिए स्टेशन पर अस्थाई तौर पर एक छोटा होल्डिंग एरिया संचालित किया जा रहा है।

इस अहम प्रोजेक्ट का जिम्मा रेल मंत्रालय के अधीन काम करने वाली नवरत्न कंपनी राइट्स को सौंपा गया है।यह कंपनी मुख्य रूप से रेलवे और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट्स की इंजीनियरिंग और डिजाइनिंग का काम करती है। दिल्ली से आयी टीम सर्वे के बाद इसका फाइनल डिजाइन तैयार करेगी, जिसके बाद निर्माण कार्य तेजी से शुरू होगा।

आर्चरी मस्कट प्रताप ने कांटाटोली चौक पर सड़क सुरक्षा का दिया संदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।रांची के कांटाटोली चौक पर पुलिस की ओर से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया गया।इस अभियान में आर्चरी मस्कट ह्यप्रतापह्न के माध्यम से आम नागरिकों और वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया।अभियान के दौरान यातायात पुलिस के पदाधिकारियों और कर्मियों ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, यातायात संकेतों और सड़क चिह्नों का पालन करने और निर्धारित दिशा में वाहन चलाने के प्रति जागरूक किया।साथ ही, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की भी अपील की गई।यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें और सड़क सुरक्षा को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।पुलिस ने बताया कि यातायात नियमों के पालन से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

पांच हजार सीएनजी ऑटो के परमिट का मामला फिर गरमाया, 25 को महासंघ की अहम बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।सीएनजी ऑटो के पांच हजार परमिट जारी करने का मामला एक बार फिर गरमा सकता है।झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ और रांची जिला ऑटो चालक यूनियन की 25 अक्टूबर को संयुक्त बैठक होने वाली है। इस बैठक में परमिट जारी करने में हो रही देरी, ऑटो चालकों से जुड़ी समस्याओं और आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने बताया कि बैठक सुबह 11:30 बजे लाइन टैंक रोड स्थित ड्यूक मेंशन कार्यालय में होगी। इसमें दोनों संगठनों के पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में ऑटो चालकों की समस्याओं पर विचार-विमर्श कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।महासंघ के अध्यक्ष दिनेश सोनी ने बताया कि परिवहन विभाग ने शहर में चलने वाले 5000 सीएनजी ऑटो का परमिट जारी करने का आदेश दिया था। इस संबंध में पूर्व में रांची ड-ीटीओ, ट्रैफिक एसपी, महासंघ, ऑटो चालक संघ और ई-रिक्शा चालक संघ के प्रतिनिधियों के बीच बैठक भी हुई थी।दिनेश सोनी ने बताया कि परमिट जारी करने को लेकर सहमति बनने के बावजूद अब तक इस दिशा में आगे की कार्रवाई नहीं हुई है।दिनेश सोनी ने बताया कि बैठक में ऑटो चालकों के खिलाफ कथित मनमानी कार्रवाई करने और चालान काटे जाने के मुद्दे पर भी चर्चा की जाएगी।इसके अलावा बैंक खातों से होने वाली कटौती और ऑटो चालकों के बीमा से संबंधित प्रावधानों की जानकारी चालकों तक पहुंचाने की रणनीति बनाई जाएगी।

ईडी ने सेक्स रैकेट केस में माइकल जोसफ तिर्की की 3.60 करोड़ की संपत्ति जब्त की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची के माइकल जोसफ तिर्की और उसकी पत्नी मोना तिर्की के नाम पर खरीदी गयी 3.60 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है।इन दोनों पर सेक्स रैकेट के लिए बांग्लादेश से लड़कियों को रांची लाने की व्यवस्था करने का आरोप है।ईडी ने वर्ष 2024 में बांग्लादेश की लड़कियों को कोलकाता से रांची लाने के मामले की जांच के लिए ईसीआईआर दर्ज की थी।इसके लिए बरियातु थाने में दर्ज प्राथमिकी को आधार बनाया था। थाने में दर्ज प्राथमिकी में यह आरोप लगाया गया था कि निपाह अख्तर खुशी नाम की बांग्लादेशी लड़की को अवैध

रूप से कोलकाता लाया गया था। मनीषा ने झूमा नाम की दूसरी महिला की मदद से निपाह को 31 मई 2024 की आधी रात को जंगल के रास्ते सीमा पार कराया था।निपाह को भारत में काम दिलाने के बहाने लाया गया था। रांची लाने के बाद उसे बाली रिसॉर्ट में दो दिनों तक रखा गया था। इसके बाद उसे एक अपार्टमेंट में ले जाया गया। वहां परवीन और झूमा नाम की दो बांग्लादेशी लड़कियां पहले से थी।तीन जून 2024 को मौका देख कर निपाह वहां से भाग कर पुलिस के पास पहुंची. इसके बाद पुलिस ने उसकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की थी। ईसीआईआर दर्ज करने के बाद ईडी ने मामले की जांच और पश्चिम बंगाल के कई ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान बंगाल में रह रही बांग्लादेशी नागरिक रॉनी मंडल, संदीप चौधरी को गिरफ्तार किया। इसके अलावा दो भारतीय नागरिकों को भी गिरफ्तार किया. इसमें पिंटू हलधर और पिंकी बासू मुखर्जी को गिरफ्तार किया था।मामले की जांच के दौरान ईडी ने पाया कि वेश्यावृति के लिए बांग्लादेश से रांची लायी जाने वाली लड़कियों को माइकल जोसेफ तिर्की और उसकी पत्नी मोना तिर्की रहने आदि की व्यवस्था करती थी। इसके बदले में इन दोनों को पैसे मिलते थे।जांच में पति-पत्नी द्वारा नाजायज तरीके से की गयी इस कमाई से अचल संपत्ति खरीदने जाने का मामला पकड़ा। इसके बाद ईडी ने इन दोनों द्वारा खरीदी गयी जमीन और घर जब्त कर ली।जब्त संपत्ति का कागजी मूल्य 3.60 करोड़ रुपये है।हालांकि इसका बाजार मूल्य पांच करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है।

फादर बेनेडिक्ट बारला पर हमले के विरोध में रांची में शांतिपूर्ण कैंडल मार्च

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।फादर बेनेडिक्ट बारला पर खूंटी में गत 20 अक्टूबर को हुए जानलेवा हमले के विरोध में रांची भिखारिएट कैथोलिक सभा के आह्वान पर शुक्रवार को शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला गया। इसमें रांची भिखारिएट के विभिन्न पैरिशों से लगभग 5,000 लोग शामिल हुए।रैली शाम 5 बजे डंगराटोली चौक से शुरू होकर मेन रोड होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक तक पहुँचा। प्रतिभागियों ने हाथों में मोमबत्तियाँ लेकर हमले की निंदा की और अज्ञात हमलावरों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा कठोर कानूनी कार्रवाई की माँग की।सभा ने प्रशासन और पुलिस से घटना की निष्पक्ष एवं त्वरित जाँच, दोषियों की पहचान कर गिरफ्तारी, फादर बेनेडिक्ट बारला की सुरक्षा तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की।सभा ने कहा कि मार्च किसी व्यक्ति या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि हिंसा के विरोध, न्याय की माँग और समाज में शांति एवं सुरक्षा की स्थापना के लिए आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने अनुशासन और शांतिपूर्ण एकजुटता का परिचय दिया।रांची भिखारिएट कैथोलिक सभा ने नागरिकों से शांति, सद्भाव और सामाजिक एकता बनाए रखने की अपील की।

आरोहण देगी नए ऋण पर छूट पात्र ऋणधारकों को ब्याज दर में 1.25 प्रतिशत तक की राहत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने मौजूदा पात्र ऋणधारकों के लिए नए ऋण पर ब्याज दर में 1.25 प्रतिशत तक की छूट देने की सीमित अवधि की विशेष योजना की घोषणा की है। यह योजना 2 अक्टूबर 2026 से प्रभावी है। इसका उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमियों को त्योहारी सीजन में कारोबार बढ़ाने, सामान का स्टॉक बढ़ाने और ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पूंजी उपलब्ध कराने में मदद करना है। त्योहारी सीजन छोटे कारोबारियों के लिए बिक्री बढ़ाने और कारोबार का विस्तार करने का अवसर होता है, जिसके लिए समय पर ऋण की उपलब्धता अहम है। आरोहण

फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रबंध निदेशक मनोजकुमार एन. नांबियार ने कहा कि इस अवधि में कारोबारियों को सामान का स्टॉक बढ़ाने और बढ़ती मांग पूरी करने के लिए अतिरिक्त पूंजी की जरूरत होती है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की ऋण गारंटी योजना से कंपनी को ऋण गारंटी कवर प्राप्त करने में सहायता मिली है और कंपनी इसके लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना चाहती है। कंपनी के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 तक वह 17 राज्यों के 320 जिलों में 1,073 शाखाओं के माध्यम से लगभग 20 लाख ऋणधारकों को सेवाएं दे रही थी। पात्र ऋणधारक ब्याज दर में छूट, अपनी पात्रता और ऋण की शर्तों की जानकारी के लिए नजदीकी शाखा से संपर्क कर सकते हैं। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है और वास्तविक छूट पात्रता मानदंडों तथा लागू नियमों व शर्तों के अनुसार तय होगी।

झामुमो नेता के अंगरक्षक की संदिग्ध मौत पर गरमाई सियासत, भाजपा ने बनाई जांच समिति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।हजारीबाग में सत्ताधारी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिलाध्यक्ष संजीव बेदिया के अंगरक्षक की मौत अब एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है।राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने मामले की असलियत सामने लाने के लिए एक प्रदेश स्तरीय जांच समिति का गठन किया है।मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए बनी पांच सदस्यीय टीम का नेतृत्व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा करेंगे।उनके साथ प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, गीता कोड़ा, प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर और

हजारीबाग जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह को भी इस जांच समिति का अहम हिस्सा बनाया गया है।सत्ताधारी दल के नेता से जुड़े इस संदिग्ध मामले में भाजपा कोई राजनीतिक चूक नहीं करना चाहती। इसलिए समिति जल्द ही हजारीबाग जाकर घटनास्थल का मुआयना करेगी। भाजपा का कहना है कि टीम का मुख्य उद्देश्य पीड़ित परिवार से मिलकर घटना के पीछे के छिपे तथ्यों और वास्तविक कारणों की पड़ताल करना है, ताकि परिजनों को न्याय दिलाया जा सके।

मुड़मा जतरा मेला के कारण यूजी सेमेस्टर चार की परीक्षा तिथि में बदलाव किया रांची विवि ने

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।रांची विवि प्रशासन ने मुड़मा जतरा मेला को देखते हुए बीए, बीएससी, बीकॉम (चार वर्षीय) सेमेस्टर चार (सत्र 2023-27) रेगुलर व (सत्र 2022-26) बैकलॉग तथा यूजी (सीबीसीएस) बैकलॉग सेमेस्टर चार वोकेशनल (सत्र 2023-26) रेगुलर व बैकलॉग परीक्षा तिथि में बदलाव कर दिया है।सभी परीक्षाएं 26 अक्तूबर 2026 से आरंभ हो रही हैं। मुड़मा जतरा मेला 27 व 28 अक्तूबर 2026 को है। विवि ने संशोधित परीक्षा कार्यक्रम में 28 अक्तूबर की परीक्षा तिथि बदल दी है। चार वर्षीय यूजी परीक्षा 26 अक्तूबर से छह नवंबर 2026 तथा सीबीएस यूजी परीक्षा 26 अक्तूबर से 25 नवंबर 2026 तक दो पालियों में होगी। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह नौ बजे से दिन के 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा दिन के एक बजे से अपराह्न चार बजे तक होगी। मांडर इलाके में मुड़मा जतरा मेला के दिन परीक्षा रहने के कारण झारखंड छात्र मोर्चा के डॉ अमन तिवारी व सचिव असद फेराज टिंकू ने विवि प्रशासन से तिथि बदलने की मांग की थी।

पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन समारोह 26 को,मुख्यमंत्री हेमंत होंगे शामिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 26 अक्टूबर को 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल होंगे।यह समारोह रांची के खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में चल रहा है।शुक्रवार को जैप की एडीजी प्रिया दुबे ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की।यह मुलाकात कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुई। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया।मुख्यमंत्री ने आमंत्रण के लिए आभार जताया। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।इस मुलाकात के दौरान जैप के आईजी सुनील भास्कर और डीआईजी कार्तिक एस. भी मौजूद रहे।

कांके पुलिस की छापेमारी में दिल्ली से चुराई थार समेत कई वाहन बरामद, आरोपी फरार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची। कांके में चोरी के वाहनों की खरीद-बिक्री से जुड़े एक संदिग्ध नेटवर्क का मामला सामने आया है। कांके थाना क्षेत्र में पुलिस की छापेमारी के दौरान दिल्ली से चोरी की गई एक थार गाड़ी बरामद की गई है। मौके से दो अन्य थार वाहन, दो मोटरसाइकिल, तीन स्कूटी और बड़ी संख्या में संदिग्ध नंबर प्लेट मिलने की भी जानकारी सामने आई है।मामले में आरोपी समीर छापेमारी के दौरान फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है।जानकारी के मुताबिक दिल्ली की एक ट्रैवल एजेंसी के कुछ लोग जीपीएस लोकेशन ट्रैक करते हुए रांची पहुंचे थे। एजेंसी की थार गाड़ी दिल्ली से चोरी होने की बात सामने आई थी। जीपीएस के जरिए वाहन की लोकेशन कांके थाना क्षेत्र में मिलने के बाद एजेंसी के लोगों ने स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद कांके थाना की पुलिस ने बताए गए ठिकाने पर छापेमारी की।इस दौरान दिल्ली से चोरी की गई थार गाड़ी बरामद कर ली गई।पुलिस को मिली

जानकारी के अनुसार, समीर नाम का युवक मूल रूप से बिहार के सीवान जिले का रहने वाला है और वर्तमान में रांची के कांके क्षेत्र में अपनी बहन के घर पर रह रहा था।बताया जा रहा है कि उसने ट्रैवल एजेंसी से थार गाड़ी किराये पर ली थी।इसके बाद गाड़ी का नंबर प्लेट बदलकर उसे कांके स्थित अपनी बहन के घर पर छिपा दिया था।पुलिस की छापेमारी की भनक लगते ही आरोपी समीर कथित तौर पर घर के पिछले रास्ते से निकलकर धान के खेत की ओर भाग गया। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।छापेमारी के दौरान पुलिस को संदिग्ध वाहनों के साथ बड़ी संख्या में नंबर प्लेट भी मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि नंबर प्लेट बदलकर चोरी के वाहनों की पहचान छिपाने की कोशिश की जाती रही होगी।बरामद मोटरसाइकिल और स्कूटी के संबंध में भी जांच की जा रही है कि कहीं वे रांची के अलग-अलग इलाकों से चोरी तो नहीं की गई हैं।पुलिस अब बरामद वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर, इंजन और चेसिस नंबर के आधार पर उनकी पहचान और स्वामित्व की जांच कर रही है। साथ ही, दिल्ली में दर्ज चोरी के मामले और रांची में बरामद वाहनों के बीच संबंधों की भी पड़ताल की जा रही है।पुलिस को आशंका है कि इस मामले के पीछे चोरी के वाहनों को एक शहर से दूसरे शहर ले जाकर बेचने वाला संगठित नेटवर्क सक्रिय हो सकता है।हालांकि, गिरोह की पूरी भूमिका और उसके अन्य सदस्यों के संबंध में अभी जांच जारी है।पुलिस फरार समीर का आपराधिक इतिहास भी खंगाल रही है।उसके पकड़े जाने के बाद कथित नेटवर्क, वाहनों की खरीद-बिक्री और नंबर प्लेट बदलने से जुड़े अन्य पहलुओं पर पूछताछ किए जाने की संभावना है। कांके थाना में मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।सूत्रों के मुताबिक, पुलिस की पूछताछ के दौरान समीर की बहन के घरवालों ने उसके चोरी की गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी से इनकार किया है। उनका कहना है कि समीर दिल्ली में रहकर नौकरी करता है।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी और बरामद वाहनों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही कथित वाहन चोरी नेटवर्क की पूरी तस्वीर सामने आ सकेगी।

इंद्रिया ने पेश किया दिवाली कैंपेन फेस्टिवल ऑफ लव, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ आएंगे नजर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः आदित्य बिरला ज्वेलरी के ब्रांड इंद्रिया ने दिवाली के अवसर पर अपना नया कैंपेन फेस्टिवल ऑफ लव पेश किया है, जिसमें अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ नजर आएंगे। यह कैंपेन प्यार, अपनेपन और साथ बिताए उन खास पलों पर आधारित है, जो दिवाली के उत्सव को यादगार बनाते हैं। कैंपेन की फिल्म में अदिति और सिद्धार्थ दोस्तों की मेहमाननवाजी की तैयारी करते दिखाई देते हैं। त्योहार की भागदौड़ के बीच उनकी सहज नोकझोंक और एक-दूसरे के लिए किए गए छोटे-छोटे इशारे रिश्तों की अहमियत को सामने लाते हैं। इंद्रिया के सीईओ संदीप कोहली ने कहा कि ह्यफेस्टिवल ऑफ लवह्न के जरिए उन रिश्तों और पलों को सामने लाने की कोशिश की गई है, जो त्योहारी सीजन को सार्थक बनाते हैं। वहीं, कंपनी के हेड ऑफ मार्केटिंग एंड विजुअल मर्चेंडाइजिंग शांतिस्वरूप पांडा ने कहा कि अदिति और सिद्धार्थ ने अपने सहज

व्यवहार और आपसी जुड़ाव से कैंपेन की सोच को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है। कैंपेन की परिकल्पना पर ओगिल्वी वेस्ट की क्रिएटिव हेड तनुजा भट ने बताया कि इसका उद्देश्य दिवाली की चमक-दमक के बीच अपनों के साथ बिताए छोटे लेकिन यादगार पलों को दिखाना है। इस कैंपेन के साथ इंद्रिया ने 22 कैरेट सोने का नया त्योहारी कलेक्शन ह्यपद्मिकाह्न भी पेश किया है। देवी लक्ष्मी, समृद्धि और शुभ शुरूआत से प्रेरित इस कलेक्शन में पारंपरिक गुलाबी मीनाकारी को आधुनिक डिजाइन के साथ जोड़ा गया है। कमल और देवी लक्ष्मी जैसे शुभ प्रतीकों से सजे इस कलेक्शन में नेकलेस, ईयररिंग्स, कंगन और खास डिजाइन वाले आभूषण शामिल हैं। पूरे कैंपेन में अदिति राव हैदरी ह्यपद्मिकाह्न कलेक्शन के आभूषण पहने नजर आती हैं। कंपनी के अनुसार, इस पहल के जरिए भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं और आधुनिक आभूषण डिजाइन को जोड़ते हुए प्यार, आभार और रिश्तों की अहमियत को सामने लाया गया है।

भारतमाला परियोजना रोड निर्माण से प्रभावित रैयतों में आक्रोश

बढ़ी हुई मुआवजा राशि के भुगतान को लेकर ओरमांझी सीओ को सौंपा ज्ञापन

रांची(ईएमएस)।भारतमाला परियोजना के तहत अधिग्रहित भूमि की बढ़ी हुई मुआवजा राशि के भुगतान की मांग को लेकर शुक्रवार को ग्राम रोहनडीह, चेतनबारी, गुड्डू, रोला, कुटे, भागलपुर, चाडू और जोबला गांव के ग्रामीणों ने अंचल कार्यालय में प्रदर्शन कर ओरमांझी सीओ उज्जवल सोरेन को मांग पत्र सौंपा और जल्द भुगतान कराने की मांग की।रैयतों ने आवेदन में कहा है कि भारतमाला परियोजना के रोड निर्माण में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा कम मिला है।इससे असंतुष्ट होकर ग्रामीणों ने अपर समाहर्ता, रांची के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई थी।इसके बाद मध्यस्थ अपर समाहर्ता ने 14 जून 2023 को किसानों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए सभी गांवों के लिए मुआवजा राशि बढ़ाकर 50,674 रुपये प्रति डिसमिल करने सहित अन्य लाभांश में वृद्धि का आदेश दिया था।इसके बाद एनएचएआई ने 9 जनवरी 2024 को कॉमर्शियल कोर्ट में अपील दायर की थी।सुनवाई और पूर्व के आदेशों की जांच के बाद अदालत ने 1 सितंबर 2025 को अपील खारिज कर दी।इसके बावजूद अब तक बढ़ी हुई मुआवजा राशि का भुगतान रैयतों को नहीं किया गया है।किसानों ने संबंधित अधिकारियों से जल्द भुगतान सुनिश्चित करने

की मांग की है।रैयतों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो सभी प्रभावित रैयत किसान धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी एनएचएआई और भू-अर्जन विभाग की होगी।मौके पर मनेंद्र साहू, मंटू पाहन, राजेश पाहन, संतोष पाहन, नारायण साहू, अनिरुद्ध साहू, बोधनाथ महतो, आनंद महतो, अगमलाल महतो, उल्लास महतो, कोलामनी देवी, मीणा देवी, गीता देवी, सुरेश मुंडा, रामचंद्र साहू, विष्णु चरण मुंडा सहित अन्य लोग मौजूद थे।ओरमांझी सीओ उज्जवल सोरेन ने यथाशीघ्र सरकारी कानूनी प्रक्रिया के तहत रैयतों को बढ़ा हुआ राशि का भुगतान कर देने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त खबरें

बिहार एमएलसी चुनाव: मोकामा में जेडीयू-जनसुराज समर्थक भिड़े

छपरा में प्रत्याशी पर एफआईआर दर्ज

पटना(एजेंसी) : बिहार विधान परिषद की 8 सीटों के लिए शुक्रवार, 23 अक्टूबर को मतदान के बीच राज्य के कई हिस्सों से सियासी गहमागहमी और झड़पों की खबरें सामने आ रही हैं। पटना स्नातक सीट पर जहां जेडीयू उम्मीदवार नीरज कुमार के खिलाफ मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने बगावत का बिगुल बजा दिया है, वहीं उनके गढ़ मोकामा में जेडीयू और जन सुराज समर्थकों के बीच तीखी झड़प हो गई। इसके अलावा, छपरा में प्रशांत किशोर समर्थित एक प्रत्याशी पर एफआईआर दर्ज होने की भी खबर है, जिसने चुनावी तनाव को और बढ़ा दिया है।

राज्य की कुल 8 विधान परिषद सीटों पर 5,32,847 मतदाता 150 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला कर रहे हैं। मतदान सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इनमें चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं, और सभी सीटों पर एनडीए तथा महागठबंधन के उम्मीदवारों के बीच कड़ा मुकाबला देखा जा रहा है। सबसे दिलचस्प मुकाबला पटना स्नातक सीट पर माना जा रहा है, जहां जेडीयू ने अपने वरिष्ठ नेता नीरज कुमार को एक बार फिर से मैदान में उतारा है। लेकिन, मोकामा से विधायक और दिग्गज नेता अनंत सिंह, जो खुद जेडीयू से हैं, उन्होंने अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अनंत सिंह प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार अनुज कुमार सिंह का खुलकर समर्थन कर रहे हैं और उनके पक्ष में चुनाव प्रचार भी किया है, जिससे इस सीट का सियासी पारा काफी बढ़ गया है। अनंत सिंह के गढ़ मोकामा में मतदान के दौरान जेडीयू और जन सुराज समर्थकों के बीच झड़प हो गई। इस झड़प को अनंत सिंह के अपनी पार्टी के खिलाफ खड़े होने के बाद उत्पन्न हुए तनाव का परिणाम माना जा रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने और मतदान प्रक्रिया को बाधित होने से रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन को मौके पर हस्तक्षेप करना पड़ा। इसी बीच, सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एक जन सुराज समर्थित उम्मीदवार पर छपरा में एफआईआर दर्ज होने की जानकारी मिली है। हालांकि, एफआईआर के विस्तृत कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन इसे चुनावी प्रक्रिया के दौरान नियमों के उल्लंघन से जोड़कर देखा जा रहा है। इन घटनाओं ने विधान परिषद चुनाव में राजनीतिक गर्माहट और तनाव को और बढ़ा दिया है। यह चुनाव बैलेट पेपर के जरिए कराया जा रहा है, जिसके लिए चुनाव आयोग ने व्यापक तैयारियां की हैं। इन आठ सीटों पर निवर्तमान प्रतिनिधि भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, और चुनाव

फतेहपुर से बाराचट्टी तक नौ गांवों में मोबाइल नेटवर्क ठप, ग्रामीण परेशान

गया जी (एजेंसी) : गया जिले के मोहड़ा से बाराचट्टी तक नौ गांवों में मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। इन गांवों में नेटवर्क नहीं मिलने या कमजोर सिग्नल के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि परामर्श, व्यापार और आपातकालीन संचार जैसी जरूरी सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। संसदीय क्षेत्र के भ्रमण के दौरान सामने आई इस समस्या को लेकर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य माधव सिंधिया को पत्र लिखकर मोबाइल कनेक्टिविटी में सुधार की मांग की है। गया जी सांसद सह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बताया कि गया जिले के चिन्हित संबंधित गांवों को शैडो जोन अथवा नो सिग्नल एरिया के रूप में है। इस समस्या के समाधान के लिए गंभीरता से पहल करने का अनुरोध विभागीय मंत्री से किया गया है। चिन्हित गांवों में फतेहपुर प्रखंड का पतवास और यशपुर, बांके बाजार प्रखंड का सोनदाहा, नीमचक बथानी प्रखंड का भूपेश नगर और जगजीवनपुर, मोहड़ा प्रखंड का मालती, बाराचट्टी प्रखंड का कुड़ी और कदल तथा मोहनपुर प्रखंड का हेमजापुर शामिल हैं।

मोबाइल नेटवर्क नहीं रहने से विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई और डिजिटल शैक्षणिक सामग्री प्राप्त करने में परेशानी होती है। वहीं, किसानों को मौसम, कृषि तकनीक और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी लेने में कठिनाई होती है। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संपर्क करने और आपात स्थिति में मदद बुलाने में भी समस्या आती है।

केंद्रीय मंत्री ने संचार मंत्री से इन गांवों में नेटवर्क की स्थिति की जांच कराकर मोबाइल कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस पहल से लंबे समय से चली आ रही संचार समस्या का समाधान होगा।

रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा मेघना गर्ग के नेतृत्व में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हाजीपुर(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, हाजीपुर की अध्यक्षा श्रीमती मेघना गर्ग की अध्यक्षता में शुक्रवार को पाटलिपुत्र रेल परिसर, दीघा में ह्यह्यमेन्स्ट्रुअल हाईजीनह्यह्य विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर अध्यक्षा, पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन श्रीमती मेघना गर्ग ने उपस्थित सभी बच्चियों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी शारीरिक तथा मानसिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए उचित परामर्श दिया तथा इससे संबंधित सभी भ्रांतियों का निवारण किया।कार्यक्रम के समापन पर 100 से अधिक उपस्थित महिलाओं तथा बालिकाओं को सैनिटरी नैपकिन के साथ फुड पैकेट भी वितरित किया गया।इस अवसर पर संगठन की उपाध्यक्षा श्रीमती रंजना कुमार, सचिव श्रीमती मनीषा सिन्हा, कोषाध्यक्षा श्रीमती पुनम श्रीवास्तव उपसचिव श्रीमती प्रियंका सिंह तथा संगठन की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

आहर में डूबने से महिला की मौत, मायके-ससुराल में पसरा मातम

गोयठा थापने गई थी रिंकू देवी, पैर फिसलने से गहरे पानी में गिरी

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : : फतेहपुर थाना क्षेत्र के खेदरपुरा गांव स्थित बंधिया आहर में शुक्रवार की सुबह 32 वर्षीय रिंकू देवी की मौत डूबने से हो गई। वह आहर के पास गोयठा थापने गई थी, इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में जा गिरी और डूब गई। घटना की खबर मिलते ही गांव में अफरातफरी मच गई। मृतका रिंकू देवी का मायका खेदरपुरा गांव में है, जबकि ससुराल गुरपा थाना क्षेत्र के बघबंदवा गांव में है। उसकी चार साल की एक बच्ची है। रिंकू अपने पिता सरजू यादव की इकलौती संतान थी। हादसे में उसकी मौत से मायके और ससुराल में कोहराम मच गया।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बना घटना की सूचना मिलने पर फतेहपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गया जी भेज दिया। इस हृदयविदारक घटना से गांव में मातम पसरा है।

महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने दीघा ब्रिज हॉल्ट-झाझा रेलखंड का किया विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

झाझा मेमू शेड का भी लिया जायजा, संरक्षा, यात्री सुविधा एवं स्वच्छता पर दिया विशेष जोर

हाजीपुर(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने आज दीघा ब्रिज हॉल्ट से झाझा तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण कर ट्रैक अनुरक्षण, रेल परिचालन, संरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं एवं आधारभूत संरचनाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण का उद्देश्य रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, सुगम एवं प्रभावी बनाने के साथ-साथ विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना था।निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने फतुहा, बख्तियारपुर एवं बाढ़ सहित विभिन्न स्टेशनों पर

उपलब्ध यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा रेल अवसंरचना से संबंधित कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने, स्टेशनों

पर स्वच्छता का उच्च स्तर बनाए रखने तथा विकास कार्यों में तेजी लाते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया।इसके पश्चात महाप्रबंधक ने झाझा मेमू शेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेमू रेक के अनुरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं एवं शेड के विभिन्न आंतरिक भागों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को मेमू रेक का नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण अनुरक्षण सुनिश्चित करने तथा यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी निर्धारित मानकों का पालन करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार सहित दानापुर मंडल एवं मुख्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार एमएलसी चुनाव: मोकामा में जेडीयू-जनसुराज समर्थक भिड़े

छपरा में प्रत्याशी पर एफआईआर दर्ज

पटना(एजेंसी) : बिहार विधान परिषद की 8 सीटों के लिए शुक्रवार, 23 अक्टूबर को मतदान के बीच राज्य के कई हिस्सों से सियासी गहमागहमी और झड़पों की खबरें सामने आ रही हैं। पटना स्नातक सीट पर जहां जेडीयू उम्मीदवार नीरज कुमार के खिलाफ मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने बगावत का बिगुल बजा दिया है, वहीं उनके गढ़ मोकामा में जेडीयू और जन सुराज समर्थकों के बीच तीखी झड़प हो गई। इसके अलावा, छपरा में प्रशांत किशोर समर्थित एक प्रत्याशी पर एफआईआर दर्ज होने की भी खबर है, जिसने चुनावी तनाव को और बढ़ा दिया है।

राज्य की कुल 8 विधान परिषद सीटों पर 5,32,847 मतदाता 150 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला कर रहे हैं। मतदान सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इनमें चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं, और सभी सीटों पर एनडीए तथा महागठबंधन के उम्मीदवारों के बीच कड़ा मुकाबला देखा जा रहा है। सबसे दिलचस्प मुकाबला पटना स्नातक सीट पर माना जा रहा है, जहां जेडीयू ने अपने वरिष्ठ नेता नीरज कुमार को एक बार फिर से मैदान में उतारा है। लेकिन, मोकामा से विधायक और दिग्गज नेता अनंत सिंह, जो खुद जेडीयू से हैं, उन्होंने अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अनंत सिंह प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार अनुज कुमार सिंह का खुलकर समर्थन कर रहे हैं और उनके पक्ष में चुनाव प्रचार भी किया है, जिससे इस सीट का सियासी पारा काफी बढ़ गया है। अनंत सिंह के गढ़ मोकामा में मतदान के दौरान जेडीयू और जन सुराज समर्थकों के बीच झड़प हो गई। इस झड़प को अनंत सिंह के अपनी पार्टी के खिलाफ खड़े होने के बाद उत्पन्न हुए तनाव का परिणाम माना जा रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने और मतदान प्रक्रिया को बाधित होने से रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन को मौके पर हस्तक्षेप करना पड़ा। इसी बीच, सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एक जन सुराज समर्थित उम्मीदवार पर छपरा में एफआईआर दर्ज होने की जानकारी मिली है। हालांकि, एफआईआर के विस्तृत कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन इसे चुनावी प्रक्रिया के दौरान नियमों के उल्लंघन से जोड़कर देखा जा रहा है। इन घटनाओं ने विधान परिषद चुनाव में राजनीतिक गर्माहट और तनाव को और बढ़ा दिया है। यह चुनाव बैलेट पेपर के जरिए कराया जा रहा है, जिसके लिए चुनाव आयोग ने व्यापक तैयारियां की हैं। इन आठ सीटों पर निवर्तमान प्रतिनिधि भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, और चुनाव के नतीजे भविष्य की राज्य राजनीति के लिए महत्वपूर्ण संदेश देंगे।

एसडीपीओ ने किया वासुदेवा में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा

बक्सर/डुमरांव, (एजेंसी) : अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने वासुदेवा थाना क्षेत्र के बिंद टोली गांव में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया है । प्रेस वार्ता के माध्यम से इसकी जानकारी देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भास्कर रंजन ने शुक्रवार को बताया कि फर्नीचर बनाने की आड़ में अवैध हथियार तैयार करने का धंधा किया जा रहा था । गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी करते हुए दो अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार किया । वहीं उनकी निशानदेही पर दो देसी कट्टा, एक एकनाली बंदूक, एक अर्धनिर्मित देसी कट्टा, छह कारतूस समेत हथियार बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाले कई उपकरण बरामद किए गए ।

घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि 22 अक्टूबर को गुप्त सूचना मिली थी कि वासुदेवा थाना क्षेत्र के वासुदेवा बिंद टोली निवासी बिगन बिंद अपने घर से अवैध हथियारों का कारोबार कर रहा है । सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई । इस टीम में अंचल निरीक्षक अरविंद कुमार, डीआईयू प्रभारी सुधीर कुमार, वासुदेवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार पासवान, डीआईयू बक्सर की टीम तथा वासुदेवा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे ।टीम ने सूचना का सत्यापन करते हुए संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की । इस दौरान बिगन बिंद और उक्त कार्यों में संलिप्त नावानगर थाना क्षेत्र के निवासी संतोष शर्मा को गिरफ्तार किया गया । छापेमारी के दौरान अर्द्धनिर्मित हथियारों व उपकरण के अलावा पुलिस ने 22 ग्राम गांजा भी बरामद किया है । वहीं हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाले सामानों में छोटे-बड़े छेनी के 26 टुकड़े, लोहे के बने 20 छोटे-बड़े उपकरण, दो अर्धनिर्मित बैरल, दो ट्रीमर, दो हैमर, देसी कट्टे का एक हिस्सा, सेंटर पंच, लोहे का मारकट, चार प्लास, आठ सरसी, लोहे काटने वाली एक कैंची, लोहे के तीन छोटे-बड़े पाइप, दो रेती, एक हथौड़ी, एक रेमर, लोहे की निहाई, गुनिया, जमुरा और एक बांच शामिल है । इसके अतिरिक्त एक पुरानी ग्रेडर मशीन, हवा देने वाली एक भट्ठी और छोटे-बड़े 13 स्प्रिंग भी जब्त किए गए । इस मामले में वासुदेवा थाना कांड संख्या 125/26, दिनांक 22 अक्टूबर 2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है ।

डॉ हेडगेवार जी के जीवन, त्याग, अनुशासन एवं राष्ट्र निर्माण के विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

पटना, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार देर शाम सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र परिसर स्थित बापू सभागार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर नादब्रह्म संस्था, नागपुर द्वारा निर्मित भव्य महानाट्य 'संघ सृजन का आविष्कार : युगप्रवर्तक डॉ हेडगेवार' के मंचन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हेडगेवार जी के जीवन, त्याग, अनुशासन एवं राष्ट्र निर्माण के विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए ऐतिहासिक है। डॉ हेडगेवार जी के जीवन पर आधारित इस महानाट्य के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, त्याग, अनुशासन और समाज सेवा जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि डॉ हेडगेवार जी एक स्वतंत्रता सेनानी, विचारक और कुशल संगठनकर्ता थे, जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि डॉ हेडगेवार जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कर संगठन और राष्ट्रसेवा की एक ऐसी परंपरा विकसित की, जो आगे चलकर देशभर में विस्तारित हुई। संघ की शाखाओं के माध्यम से इससे जुड़े लोग राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रसार के लिए निरंतर कार्य करते रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत को समृद्ध, उन्नत और विकसित राष्ट्र बनाने का सपना साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि डॉ हेडगेवार जी के जीवन, संघर्ष, विचारों और संकल्प को समझने के लिए यह महानाट्य एक महत्वपूर्ण माध्यम है। बिहार में दो करोड़ से अधिक युवा हैं। नई पीढ़ी, विशेषकर जेन-जी को डॉ हेडगेवार जी के जीवन, राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण और उनके विचारों से अवगत कराना आवश्यक है।

औरंगाबाद ने गया को 40-20 से हराकर जीता कबड्डी का खिताब

जोन-सी महिला कबड्डी प्रतियोगिता में मेजबान गया की टीम बनी उपविजेता

गया जी(एजेंसी) : बिहार राज्य कबड्डी संघ के तत्वावधान और गया जिला कबड्डी संघ के संयोजन में हंसराज पब्लिक स्कूल परिसर में शुक्रवार को आयोजित जोन-सी महिला कबड्डी प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ। रोमांचक फाइनल मुकाबले में औरंगाबाद की टीम ने मेजबान गया को 40-20 अंकों से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। गया की टीम को उपविजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा।

फाइनल मुकाबले में औरंगाबाद की टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। खिलाड़ियों ने शानदार रेडिंग और मजबूत रक्षापंक्ति के दम पर गया की टीम पर दबाव बनाए

रखा। लगातार अंक जुटाते हुए औरंगाबाद ने 40 अंक हासिल किए। वहीं गया की टीम ने मुकाबले में वापसी के लिए भरपूर प्रयास किया। लेकिन प्रतिद्वंद्वी टीम के बेहतरीन प्रदर्शन के सामने 20 अंक ही जुटा सकी।

मगध की पांच टीमों ने लिया हिस्सा

जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष आनंद शंकर तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता में मगध क्षेत्र की पांच टीमों गया, औरंगाबाद, नवादा, जहानाबाद और अरवल ने हिस्सा लिया। सभी टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में संघ के पदाधिकारियों और अतिथियों ने विजेता औरंगाबाद तथा उपविजेता गया की टीम को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। आयोजन का उद्देश्य महिला कबड्डी को बढ़ावा देना और खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना था।

वैज्ञानिक तकनीक और उन्नत बीज से संवरेंगी किसानों की तकदीर

फतेहपुर में रबी महाभियान के तहत किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

-कृषि विभाग की योजनाओं और बीज वितरण कार्यक्रम की दी गई जानकारी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : रबी फसलों की बेहतर पैदावार के लिए अब किसानों को पारंपरिक खेती के साथ वैज्ञानिक तकनीकों को भी अपनाना होगा। उन्नत किस्म के बीज, समय पर बुआई और आधुनिक कृषि पद्धतियों के इस्तेमाल से न केवल फसलों का उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि खेती की लागत कम करने और किसानों की

आमदनी बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। शुक्रवार को फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन के सभागार में आयोजित प्रखंड स्तरीय रबी महाभियान सह प्रशिक्षण एवं उपादान वितरण कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को ये जानकारियां दीं।

कार्यक्रम में प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से पहुंचे किसानों को रबी मौसम में होने वाली प्रमुख फसलों की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तार से बताया गया। कृषि विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों के चयन, बुआई के उचित समय और

उन्नत कृषि तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला। किसानों को बताया गया कि फसलों की जरूरत के अनुसार वैज्ञानिक पद्धतियां अपनाने से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

योजनाओं का लाभ उठाने के लिए किया प्रेरित

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कृषि विभाग की बीज वितरण योजना सहित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने किसानों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और खेती से जुड़ी नई तकनीकों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में खेती करने से किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।कार्यक्रम में सहायक निदेशक पौधा सुनील कुमार, आत्मा प्रखंड कृषि पदाधिकारी मेघा कुमारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी दिलीप रजक, 20 सूत्री अध्यक्ष संजय कुमार, जदयू अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष रणविजय कुमार, उद्यान पदाधिकारी पुष्पा कुमारी, कृषि समन्वयक राकेश कुमार, विद्यापति सिन्हा, विपिन कुमार सहित सभी किसान सलाहकार मौजूद रहे।

संपादकीय

सोनिया गांधी की आत्मकथा से कितना बदलेगा सियासी विमर्श?

राजनीति में कुछ किताबें अपने प्रकाशन से पहले ही चर्चा का विषय बन जाती हैं। उनकी अहमियत केवल इस बात में नहीं होती कि लेखक ने अपने जीवन के बारे में क्या लिखा है, बल्कि इस बात में भी होती है कि वे सत्ता, संघर्ष और इतिहास के उन पहलुओं को किस तरह सामने लाती हैं, जिन पर सार्वजनिक जीवन में लंबे समय तक बहस होती रही है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की प्रस्तावित आत्मकथा ह्यबिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लवह्न को लेकर उठ रही उत्सुकता भी इसी संदर्भ में देखी जानी चाहिए।

10 नवंबर 2026 को पुस्तक के प्रकाशन की निर्धारित तारीख से पहले ही राजनीतिक हलकों में इसकी चर्चा शुरू हो गई है। सोनिया गांधी का जीवन भारतीय राजनीति के कई निर्णायक मोड़ों का साक्षी रहा है। एक विदेशी युवती के रूप में भारत आना, राजीव गांधी से विवाह के बाद भारतीय समाज और संस्कृति से जुड़ना, नेहरू-गांधी परिवार की जिम्मेदारियों के बीच अपनी पहचान बनाना और अंततः देश की राजनीति में एक प्रभावशाली भूमिका निभाना–उनकी यात्रा के अनेक आयाम हैं। लेकिन इस यात्रा को केवल व्यक्तिगत संघर्ष की कहानी मानना पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ भारतीय लोकतंत्र, सत्ता के हस्तांतरण, राजनीतिक विरासत और सार्वजनिक जीवन की चुनौतियों के सवाल भी जुड़े हैं।

सोनिया गांधी के जीवन में निजी त्रासदियों का गहरा प्रभाव रहा है। संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मृत्यु, 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या और 1991 में राजीव गांधी की हत्या ने परिवार को ऐसे आघात दिए, जिनकी छाया लंबे समय तक बनी रही। इन घटनाओं के राजनीतिक परिणाम भी व्यापक थे। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश की राजनीति में आए बदलाव और राजीव गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के सामने पैदा हुई चुनौतियां आधुनिक भारत के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन घटनाओं को परिवार के भीतर से देखने वाले व्यक्ति की स्मृतियां इतिहास के मानवीय पक्ष को समझने में मदद कर सकती हैं।

हालांकि, निजी अनुभव और ऐतिहासिक तथ्य दो अलग-अलग आधार हैं। किसी घटना को करीब से देखने का अनुभव महत्वपूर्ण होता है, लेकिन उसका पूरा ऐतिहासिक अर्थ समझने के लिए दस्तावेजों, परिस्थितियों और दूसरे पक्षों के विवरणों को भी देखना पड़ता है।

विश्व के इतिहास में प्रयेत्क महान और महत्वपूर्ण आंदोलन उत्साह की सफलता हैं।

: एमर्सन

संसार में ऐसे लोग थोड़े ही होते हैं, जो कठोर किंतु हित की बात कहने वाले होते है।

: महर्षि वाल्मीकि

भारतीय प्राचीन ग्रन्थों के आलोक में भूउद्धार एवं यज्ञपुरुष वराह

सनातन वैदिक मनीषा में समय केवल एक रैखिक गति नहीं है, अपितु यह एक चक्रीय आवर्तन है। इस कालगणना के केंद्र में अवतार की अवधारणा निहित है, जो केवल पौराणिक आख्यान मात्र नहीं, वरन् ब्रह्मांडीय संतुलन की पुनर्स्थापना का आध्यात्मिक विज्ञान है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी अथवा कतिपय परंपराओं में माघ शुक्ल चतुर्दशी को मनाया जाने वाला वराह चतुर्दशी व्रत इसी दिव्य श्रृंखला की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। जब समूची पृथ्वी प्रलयकालीन जल में निमग्न हो चुकी थी और तामसिक शक्तियों ने चेतना के आदि श्रोत को ही आच्छादित कर लिया था, तब आदिपुरुष भगवान विष्णु ने महावराह के रूप में अवतार लेकर सृष्टि का उद्धार किया।

वराह अवतार को प्रायः शुद्ध रूप से पौराणिक मान लिया जाता है, परंतु गहन अनुसन्धान से यह सिद्ध होता है कि इसका मूल बीज ऋग्वेद और यजुर्वेद की संहिताओं में ही विद्यमान है। वैदिक साहित्य में वराह केवल एक पशु विशेष का प्रतीक नहीं है, बल्कि वह मेघ, यज्ञ और जल तत्व से संबद्ध एक अत्यंत गहन आध्यात्मिक सत्ता है। ऋग्वेद के प्रथम मण्डल 1/61/7 में विष्णुस्त्वेषं वराहमद्रोघः कहकर विष्णु और वराह के अंतसंबंधों को प्रारंभिक संकेत दिया गया है। वहीं ऋग्वेद के आठवें मण्डल 8/77/10 में विश्वजिद् वराहः का उल्लेख आता है, जो यह दशार्ता है कि समस्त जगत को जीतने वाली सामर्थ्य वराह रूप में निहित है। वैदिक ऋचाओं में वराह को मुषायद् वराहम् भी कहा गया है, जहां वह बादलों को चीरकर वृष्टि करने वाले दिव्य स्वरूप में उद्भासित होता है। कृष्ण यजुर्वेद की तैत्तिरीय संहिता 7/1/5/1 स्पष्ट घोषणा करती है-

आपो वा इदमग्रे सलिलमासीत, तस्मिन् प्रजापतिर्वराहो रूपं कृत्वोपन्यमज्जत। अर्थात- सृष्टि के प्रारंभ में केवल सर्वव्यापी जल था। प्रजापति ने वराह रूप धारण कर उसमें गोता लगाया और पृथ्वी को ऊपर ले आए। शतपथ ब्राह्मण 14/1/2/11 में इस वराह का नाम एमुष बताया गया हैः

एमुष इति वराह उद्वहान्वभूव।

यहां एमुष शब्द उस परम तत्व को रेखांकित करता है जो संकट की स्थिति में पृथ्वी को अपनी शक्ति से उद्वहन करता है।

पुराणों के काल में आकर यह वैदिक रूपक एक विस्तृत और सजीव इतिहास में परिवर्तित हो गया। श्रीमद्भागवत महापुराण, विष्णु पुराण, मत्स्य पुराण और वराह पुराण में इस कथा का विशद वर्णन प्राप्त होता है। जब कश्यप और दिति के पुत्र दैत्य हिरण्याक्ष ने अपनी आसुरी शक्ति से समस्त त्रिलोकी को भयभीत कर दिया और पृथ्वी को ले जाकर रसातल में छिपा दिया, तब ब्रह्मा की नासिका से एकाएक एक अंगुठे के आकार का वराह शिशु प्रकट हुआ। देखते ही देखते वह अंतरिक्ष व्यापी विशाल पर्वत के समान दैदीप्यमान महावराह में परिणत हो गया।

उल्लेखनीय है कि हिरण्याक्ष शब्द दो शब्दों से बना है - हिरण्य (स्वर्ण, भौतिक संपदा) और अक्ष (आंखें)। अर्थात- जिसकी आँखें केवल भौतिक ऐश्वर्य और जड़वादी लोलुपता पर टिकी हों, वही हिरण्याक्ष है। जब मानवता की चेतना पूर्णतः जड़वादी हो जाती है, तो पृथ्वी, जो यहाँ केवल मिट्टी नहीं, बल्कि जीवधारियों की चेतना का आधार है रसातल में गिर जाती है। रसातल पतन का सूचक है। ऐसे समय में दिव्य चेतना (विष्णु) को ऊर्ध्वगामी शक्ति (वराह के दन्त) के रूप में अवतरित होना ही पड़ता है। हिरण्याक्ष का वध केवल एक दैत्य की मृत्यु नहीं है, बल्कि चेतना पर छाए जड़ता के आवरण का विदारण है। भगवान वराह को पुराणों में यज्ञ वराह या महा यज्ञपुरुष कहा गया है। यह सनातन संस्कृति की सबसे अद्भुत रूपकात्मक प्रस्तुति है। महामुनि वेदव्यास ने विष्णु पुराण 1/4/32-35 और मत्स्य पुराण में वराह के शरीर के प्रत्येक अंग की तुलना यज्ञ की विभिन्न सामग्रियों और विधियों से की है।

पाद (पैर)- भगवान वराह के चारों पैर साक्षात चारों वेद हैं।

दन्त (दांत)- उनके तीक्ष्ण दांत यूप (यज्ञ स्तम्भ) हैं, जो सत्य की स्थिरता के प्रतीक हैं।

मुख- उनका मुख ही यज्ञ की प्रधान अग्नि (आहवनीय अग्नि) है।

जीभ- उनकी जिह्वा अग्नि की लपटें (जूंहू) हैं जिससे आहुति ग्रहण की जाती है।

लोचन (आंखें)- उनके दोनों नेत्र दिन और रात्रि, अथवा सूर्य और चन्द्रमा हैं, जो काल के साक्षी हैं।

नासिका- उनकी नासिका ही घृतपात्र (स्रुवा) है।

त्वचा- उनके शरीर के रोम दर्भ (कुशा घास) हैं, जो पवित्रता का सृजन करते हैं।

यज्ञीय विश्लेषण के इस रूपक के माध्यम से हमारे ऋषियों ने यह शाश्वत सत्य प्रतिपादित किया कि यह संपूर्ण ब्रह्मांड एक सतत चलने वाला यज्ञ है। पृथ्वी का उद्धार केवल भौतिक बल से नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय नियमों (ऋत) और यज्ञीय जीवन पद्धति की पुनर्स्थापना से ही संभव है। जब मनुष्य प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर यज्ञ भावना से उसका पोषण करता है, तभी पृथ्वी अपने वास्तविक वैभव को प्राप्त करती है।

वराह पुराण में अंकित भू वराह संवाद केवल आध्यात्मिक चर्चा नहीं है, अपितु यह इस ग्रह पर मानव जाति के अस्तित्व और पर्यावरण संतुलन का प्राचीनतम घोषणापत्र है। रसातल से मुक्त होने के पश्चात पृथ्वी देवी अत्यंत विनम्र भाव से भगवान वराह से प्रश्न करती हैं कि हे प्रभु! इस चराचर जगत के जीव किस प्रकार सुखपूर्वक रह सकेंगे? और जब-जब मैं मनुष्यों के पापों के भार से आक्रांत हो जाउंगी, तब मेरी रक्षा कैसे होगी? भगवान वराह द्वारा दिए गए उत्तरों में सनातन धर्म के सामाजिक और पर्यावरणीय आचार शास्त्र का निचोड़ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमि की उर्वरता, नदियों की पवित्रता और पर्वतों की स्थिरता का संरक्षण ही साक्षात नारायण की सेवा है। वराह अवतार हमें सिखाता है कि कीचड़ (दलदल, अंधकार) में उतरना पड़े तो भी सत्य और व्यवस्था के लिए पीछे नहीं हटना चाहिए। वराह का वराह रूप (सूकर रूप) यह दशार्ता है कि जो समाज गंदगी और विकृतियों को साफ करने का बीड़ा उठाता है, वही अंततः पृथ्वी को जीवनदान देने में समर्थ होता है।

वराह चतुर्दशी का काल केवल तिथि विशेष का उत्सव नहीं है, अपितु यह एक विशेष खगोलीय और आंतरिक ऊर्जा परिवर्तन का समय है। आश्विन या माघ मास की यह तिथि ऋतु परिवर्तन की संधिकाल होती है। इस दिन साधक प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर ताम्र या स्वर्ण निर्मित वराह प्रतिमा की स्थापना करता है। दिनभर निराहार रहकर रात्रि के समय ॐ वराहाय नमः अथवा ॐ नमो भगवते वराहरूपाया मन्त्र का जप किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि चतुर्दशी तिथि का स्वामी शिव (रुद्र) हैं, जो संहार और रूपांतरण के देवता हैं। इस तिथि पर विष्णु के वराह रूप की साधना करने से साधक के भीतर का अंतःकरण (चित्त) जो वासनाओं के कीचड़ में डूबा हुआ है, उसका उद्धार होता है। यह व्रत मनुष्य को अपनी पाशविक प्रवृत्तियों (तमोगुण) को दिव्य ओज (सत्त्वगुण) में बदलने की प्रेरणा देता है। आज की वैश्विक विभीषिकाएं - जैसे जलवायु परिवर्तन, नदियों का सूखना, और वनों का विनाश - साक्षात आधुनिक हिरण्याक्ष के कुकृत्य हैं। आज का मानव अपनी अंधी और अनियंत्रित वासनाओं (हिरण्य अक्ष) के कारण इस सुंदर वसुंधरा को पुनः विनाश के रसातल में धकेल रहा है। वराह चतुर्दशी का पर्व हमें केवल अतीत की किसी कथा से नहीं जोड़ता, बल्कि वर्तमान में यज्ञीय जीवन जीने की चुनौती देता है। जब तक समाज में उपभोग के स्थान पर त्याग, और शोषण के स्थान पर पोषण की भावना जाग्रत नहीं होगी, तब तक पृथ्वी संकट में रहेगी। यज्ञ पुरुष भगवान वराह का दिव्य विग्रह हमें यह विश्वास दिलाता है कि जब भी जड़ता चरम पर होगी, सनातन सत्य की ऊर्ध्वगामी चेतना पुनः प्रकट होगी और इस सृष्टि का कल्याण करेगी। यह पर्व संपूर्ण चराचर जगत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने और अपनी आत्मिक चेतना को रसातल से उठाकर परमपद की ओर ले जाने का महा अनुष्ठान है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संयुक्त राष्ट्र संघः भूमिका एवं वर्तमान प्रासंगिकता

शांति, सुरक्षा और मानवता की रक्षा बहुत ही जरूरी है और द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका ने विश्व समुदाय को यह एहसास कराया कि इन सबकी रक्षा के लिए विश्वे में एक प्रभावी, मजबूत एवं निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय संगठन का होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। पाठकों को बताता चलूं कि वर्तमान में इस संगठन के 193 सदस्य देश हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यू0एन0ए0(संयुक्त राष्ट्र संघ) केवल राष्ट्रों का ही संगठन नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शांति, बहुपक्षवाद, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और साझा मानव भविष्य की सामूहिक आकांक्षा का प्रतीक है। आज जब पूरा विश्व युद्ध, भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, जलवायु संकट, आतंकवाद, आर्थिक असमानता और विभिन्नस तकनीकी एवं अन्यआ चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है, तब संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और प्रासंगिकता पर विचार करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की मुख्यर भूमिका-

इस संगठन की भूमिका के बारे में यदि हम यहां पर चर्चा करें तो इसका काम विश्व के विभिन्नि देशों के बीच आपसी सहयोग और मित्रता को बढ़ावा देना है। पाठक जानते होंगे कि यह संगठन अंतरराष्ट्रीय विवादों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने या यूं कहें कि देशों के बीच विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, कूटनीतिक संवाद, शांति स्थापना और संघर्षों की रोकथाम करने, युद्धों को रोकने, मानवाधिकारों की रक्षा करने(मानव गरिमा, स्वतंत्रता, समानता तथा भेदभावरहित समाज की स्थापना को प्रोत्साहन) तथा गरीब और जरूरतमंद देशों की सहायता करने में (गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा और असमानता को कम करने में सहयोग) या यूं कहें कि वैश्विक सामाजिक-आर्थिक विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इतना ही नहीं यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी कार्य करता है। इसके अलावा, यह प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय संकटों(जैसे कि युद्ध, विस्थापन, महामारी और प्राकृतिक आपदाओं) के समय प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय कानून का विकास करने में भी इस संगठन की भूमिका बहुत ही महत्तसवपूर्ण है। दरअसल, यह संगठन राष्ट्रों के बीच नियम-आधारित व्यवस्था, संधियों और कानूनी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्तध, जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता बचाने और सतत विकास को बढ़ावा देने या यूं कहें कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी इस संगठन की भूमिका बहुत विशेष है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ही नहीं, विभिन्नि वैश्विक समस्याओं जैसे कि स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी चुनौतियों पर सामूहिक कार्रवाई के लिए भी यह संगठन मंच उपलब्ध कराता है। कुल मिलाकर, यह बात की जा सकती है कि, संयुक्त राष्ट्र विश्व में शांति, सुरक्षा, समानता और सहयोग स्थापित करने का प्रयास करता है।

वर्तमान समय में संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता-आज संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता केवल उसके उद्देश्यों से नहीं, बल्कि इस बात से निर्धारित होती है कि वह बदलती विश्व व्यवस्था की चुनौतियों का समाधान कितनी प्रभावशीलता से कर पाता है। जैसा कि इस आलेख में पूर्व में भी चर्चा कर चुका हूं कि यहे संगठन वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के लिए काम करता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के संघर्ष और अन्य क्षेत्रीय संकटों के बीच संयुक्त राष्ट्र कूटनीतिक संवाद, मानवीय सहायता तथा शांति स्थापना के लिए एक महत्त्वपूर्ण मंच है। हालाँकि, यह बात अलग है कि सुरक्षा परिषद में महाशक्तियों के मतभेद इसकी प्रभावशीलता को सीमित करते हैं। बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन भी इस संगठन का प्रमुख कार्य है। आज विश्वक में विकासशील देशों की संख्यास बढी है एवं विश्व में अनेक शक्तियां उभरकर सामने आ रहीं हैं, ऐसे समय में इस संगठन ने सभी देशों को संवाद का अवसर देकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सामूहिक निर्णय-प्रक्रिया को मजबूत करने का काम किया है।सतत विकास एवं सामाजिक न्याय की दिशा में इस संगठन की भूमिका की बात करें तो इसके सतत विकास लक्ष्य गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए साझा वैश्विक दिशा प्रदान करते हैं। इतना ही नहीं, आज के समय में, जलवायु परिवर्तन किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के अस्तित्व से जुड़ी चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु वाताओं और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के माध्यम से देशों को साझा जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। मानवाधिकार एवं मानवीय गरिमा के क्रम में शरणार्थियों, महिलाओं, बच्चों, अल्पसंख्यकों तथा संघर्ष प्रभावित नागरिकों के अधिकारों की रक्षा में संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएँ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और यह बात किसी से छिपी नहीं है। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ), साइबर अपराध, डिजिटल असमानता और महामारी जैसी सीमापार चुनौतियों के क्रम में बहुपक्षीय विमर्श को लगातार प्रोत्साहित करता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष मौजूद चुनौतियाँ-कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में यह संगठन कई अभूतपूर्व और जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है। आज तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्था, महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता और नए प्रकार के संकटों ने इसके कामकाज और प्रासंगिकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुरक्षा परिषद में प्रमुख शक्तियों द्वारा वीटो पावर के दुरुपयोग और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण यह वैश्विक संघर्षों में त्वरित निर्णय लेने में अक्सर विफल रहता है।सरल शब्दों में कहें तो पाँच स्थायी सदस्यों की विशेष शक्ति सुरक्षा परिषद में सामूहिक कार्रवाई को बाधित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, 1945 के पुराने ढांचे में वर्तमान विश्व व्यवस्था के अनुसार उचित प्रतिनिधित्व का अभाव है, जिसके ढांचागत सुधार की मांग लगातार हो रही है। यह संस्था गहरे वित्तीय संकट, संसाधनों की कमी, जटिल नौकरशाही(प्रशासनिक जटिलताएँ) और सदस्य देशों द्वारा राष्ट्रीय संप्रभुता के नाम पर मानवीय हस्तक्षेप के विरोध जैसी समस्याओं से भी जूझ रही है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन, साइबर खतरे, आतंकवाद और वैश्विक महामारियों जैसी 21वीं सदी की नई बहुआयामी समस्याओं पर सभी 193 सदस्य देशों के बीच आम सहमति बनाना इसके लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। वास्तेव में, निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति और सहयोग आवश्यक है। इन चुनौतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की दिशा में अंतर-सरकारी वाताएँ जारी हैं। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2026 में भी सुरक्षा परिषद की अधिक प्रतिनिधिपूर्ण और प्रभावी संरचना के लिए सुधार पर चर्चा जारी है।

सुनील कुमार महला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7672

✱✲✲✲✲ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7671 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

दैनिक पंचांग

24 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.51 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	10.07 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	12.12 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.59 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.31 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	17.02 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.42 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.40 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.54 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		सिंह	01.10 बजे से
		कन्या	03.22 बजे से
		तुला	05.32 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 297 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 13.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 20.32 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 20.01 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 13.37 बजे तदनन्तर गर 00.52 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872872
जूलियन दिन 2461337.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 12

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

81 साल बाद भी अधूरी है संयुक्त राष्ट्र की शांति-प्रतिज्ञा

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आव्हान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को ह्यसंयुक्त राष्ट्र दिवसह्न मनाया जाने लगा।अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विड़म्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढ़ांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने देश की आपदाओं में भारत की त्वरित मदद के लिए आभार जताया

काठमांडू। वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने नेपाल में हाल में आई प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भारत की ओर से दी गई सहायता के लिए आभार जताया है। भारत की राजधानी नई दिल्ली में वर्ल्ड समिट-2026 में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ नेपाल-भारत संबंधों और क्षेत्रीय हितों से जुड़े मुद्दों पर सीधा संवाद किया। 'अ वर्ल्ड बिटवीन ऑर्डर्स' सम्मेलन में उन्होंने जलवायु परिवर्तन के कारण रसुवा और भोटेकोशी क्षेत्रों में हाल में आई आपदा तथा वर्ष 2015 के विनाशकारी भूकंप के दौरान भारत की त्वरित सहायता का उल्लेख किया। नेपाल के वित्त मंत्रालय के अनुसार मंत्री वाग्ले ने कहा कि हालिया आपदा और भूकंप के दौरान शुरुआती कुछ घंटों में ही भारत हमारी मदद के लिए पहुंच गया था और उसने असाधारण सहयोग किया। इसके लिए नेपाल बेहद आभारी है। उन्होंने आपदा प्रबंधन, पोषण और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय, त्रिपक्षीय तथा उपक्षेत्रीय स्तर पर सहयोग को संस्थागत रूप देने की संभावनाओं पर भी सवाल उठाया। इसके जवाब में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि जहां संभव हो, वहां औपचारिक संस्थागत ढांचे का महत्व बना रहता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को इसका उदाहरण बताया। जयशंकर ने यह भी कहा कि हाल के समय में समान विचारधारा वाले देशों के बीच जरूरत के अनुसार सहयोग करने और परिणाम देने वाली पहलों को प्राथमिकता देने का रुझान बढ़ रहा है।

पाकिस्तान ने अपने सैनिकों को भी नहीं अपनायाः मंगलानंदन

जिनेवा। आतंकवाद, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान के दोहरे चेहरे को भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में उजागर किया है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ठोस सबूत दिखाते हुए स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के पास भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और उसके आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने असाधारण परिस्थितियों में अंतिम संस्कार के अधिकारों के विषय पर, धर्म और विश्वास की स्वतंत्रता से जुड़े एक विशेष प्रतिवेदक के साथ हुई बातचीत में हिस्सा लेते हुए पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। इस दौरान, भाविका मंगलानंदन ने एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें कोविड-19 के दौरान हुई सभी गलत प्रथाओं के लिए केवल ग्लोबल साउथ को जिम्मेदार ठहराया गया है, जबकि विकसित देशों में ऐसी ही दुखद स्थितियों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने ऐसे आतंकवादियों के अधिकारों की पुरजोर वकालत पर भी आपत्ति जताई, जो स्वयं जीने के सबसे पवित्र मानवाधिकार का उल्लंघन करते हैं।भाविका ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ते हुए कहा, यह बड़ी विडंबना है कि जो देश 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान मारे गए अपने ही सैनिकों के शवों को स्वीकार करने तक को तैयार नहीं था, वह आज आस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और दफनाने के अधिकारों पर बड़े जोश के साथ बात कर रहा है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रतिनिधि को याद दिलाया कि भारतीय सेना ने ही कई पाकिस्तानी सैनिकों को पूरे सैन्य सम्मान और इस्लामी रीति-रिवाजों के अनुसार दफनाया था।भाविका ने पाकिस्तान को सलाह दी कि भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को लेकर जो उनका गहरा जुनून है, उसे अपने अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के हिस्सों (जैसे रावलकोट) में हो रहे विकास कार्यों की ओर मोड़ना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान में कई अल्पसंख्यक समुदायों की घटती संख्या और उनके अधिकारों के लगातार हनन का भी उल्लेख किया। भाविका ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो देश अपने ही अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता, उसे भारत को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

आजादी के बाद पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़ेगा सीधी जिला, 118 किमी रेलखंडों का उद्घाटन कल

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के विंध्य क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में शनिवार को महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतना-देवेंद्रनगर के बीच 53 किलोमीटर तथा रीवा-चुरहट के बीच 65 किलोमीटर रेलखंडों का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान देवेंद्रनगर-चुरहट नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इन रेलखंडों के शुरू होने से आजादी के बाद पहली बार सीधी जिला रेल नेटवर्क से जुड़ेगा। रेल मंत्रालय के अनुसार कुल 118 किलोमीटर लंबे रेलखंडों का विकास ललितपुर-सिंगरौली नई रेल लाइन परियोजना के तहत किया गया है। इससे विंध्य क्षेत्र में यात्री परिवहन और माल ढुलाई को गति मिलेगी। साथ ही औद्योगिक गतिविधियों, व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर विकसित होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में मध्य प्रदेश में रेल विकास के लिए 15,188 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट आवंटित किया गया है। राज्य में करीब 1,18,379 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन परियोजना से पन्ना, सतना, रीवा, सीधी और सिंगरौली जैसे क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इससे खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्रों को देश के प्रमुख औद्योगिक और परिवहन केंद्रों से जोड़ने में मदद मिलेगी। सतना-देवेंद्रनगर रेलखंड के शुरू होने से सतना, नागौद, देवेंद्रनगर और आसपास के क्षेत्रों में रेल संपर्क बेहतर होगा। इससे चूना पत्थर आधारित उद्योगों और सीमेंट संयंत्रों को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय व्यापार, औद्योगिक गतिविधियों, शिक्षा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि की संभावना है। वहीं, 65 किलोमीटर लंबा रीवा-चुरहट रेलखंड रीवा और सीधी क्षेत्र के बीच रेल संपर्क को मजबूत करेगा। पहाड़ी भूभाग में विकसित इस रेलखंड पर रेलवे पुलों और सुरंगों सहित कई महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग कार्य किए गए हैं। इनमें 3.33 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल है। इस मार्ग से चूना पत्थर, सीमेंट, क्लिंकर और अन्य माल के परिवहन को भी भविष्य में लाभ मिलने की उम्मीद है। देवेंद्रनगर-चुरहट ट्रेन सेवा शुरू होने से स्थानीय यात्रियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और व्यापारियों को आवागमन का अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। इससे आसपास के क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होने के साथ शिक्षा, व्यापार और रोजगार संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

तकनीकी खराबी से एयर इंडिया विमान की हैदराबाद में इमरजेंसी लैंडिंग, 109 यात्री सुरक्षित

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंडिया के एक विमान की आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। मुंबई जा रही उड़ान एआई 417 में टेकऑफ के महज पांच मिनट बाद तकनीकी खराबी सामने आई। स्थिति को भांपते हुए पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचना दी और विमान को वापस हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया। विमान में सवार सभी 109 यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई के लिए रवाना हुई एयर इंडिया की उड़ान एआई 417 में टेकऑफ के कुछ ही मिनट बाद तकनीकी समस्या सामने आई। विमान के उड़ान भरने के लगभग पांच मिनट बाद पायलट को खराबी का पता चला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तत्काल एटीसी से संपर्क किया और आपात स्थिति की जानकारी दी। इसके बाद विमान को वापस हैदराबाद की ओर मोड़ने का फैसला लिया गया। एटीसी के निर्देशों और मार्गदर्शन के बीच पायलट ने विमान को सुरक्षित वापस लाने की प्रक्रिया पूरी की। कुछ ही देर बाद विमान की हैदराबाद एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद यात्रियों और एयरपोर्ट अधिकारियों ने राहत की सांस ली। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद तकनीकी विशेषज्ञों ने खराबी का पता लगाने के लिए उसकी जांच शुरू कर दी है। फिलहाल तकनीकी समस्या के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है। एयर इंडिया प्रबंधन की ओर से प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है, ताकि उन्हें मुंबई पहुंचने में होने वाली असुविधा को कम किया जा सके। इस घटना में राहत की सबसे बड़ी बात यह रही कि विमान में सवार सभी 109 यात्री सुरक्षित हैं।

नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना चाहिएः आदित्यनाथ

एजेंसी, लखनऊ

◆ जितेन्द्र सिंह बोले- प्रशासनिक सुधारों व क्षमता विकास में उप्र देश के लिए रोल मॉडल

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को लोकभवन में दीप प्रज्वलित कर मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत दो दिवसीय 'साधना शृंखला' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना चाहिए। नागरिकों को जब समय से समाधान प्राप्त होता है तभी लोकसेवक का उद्देश्य सार्थक होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीकी शासन के कार्यों को गति दे सकती है लेकिन कार्मिकों का सेवा भाव ही हमें नागरिकों के प्रति जवाबदेह बनाता है। जब प्रशासनिक तंत्र दक्ष, संवेदनशील एवं उत्तरदायी होता है, तभी शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचता है और सुशासन का संकल्प जनकल्याण के रूप में साकार होता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी तेजी से शासन के स्वरूप को बदल रहे हैं। हमें अपने लोकसेवकों को इन बदलावों के अनुरूप सक्षम बनाने के लिए तैयार रहना होगा। लोकसेवा की कार्य-संस्कृति में परिवर्तन हम सबके लिए एक राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए ग्राम पंचायतों के कार्मिकों की क्षमताएं भी बढ़ानी होंगी। डबल इंजन सरकार मिशन कर्मयोगी जैसी पहल के माध्यम से देश की प्रशासनिक कार्य-संस्कृति को नई दिशा दे रही है। मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस की भावना के अनुरूप कर्मयोगी उत्तर प्रदेश अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रकृति एवं परमात्मा की असीम कृपा का प्रदेश है। फिर भी लंबे समय तक यूपी विपन्न रहा। प्रदेश अपनी पहचान के लिए मोहताज रहा। यहां संभावनाएं विद्यमान थीं लेकिन उन्हें उपलब्धियों में बदलने के लिए राजनैतिक इच्छाशक्ति का अभाव था। उत्सव पूर्ण राज्य को उपद्रव ग्रस्त प्रदेश बना दिया गया। मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में काम हुआ। प्रदेश की जीडीपी तीन गुना बढ़ गयी है। पिछले साढ़े 9 वर्षों में 65 लाख गरीबों को आवास, 3 करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय और 15 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ दिया है। हम पूरी दमदारी के साथ कह सकते हैं कि हर योजना का लाभ हर गरीब तक ईमानदारी के साथ पहुंचा है। भारत का सबसे बड़ा रोड नेटवर्क, सबसे बड़ा रेल नेटवर्क और सबसे बड़ा एयर कनेक्टिविटी का नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पास मौजूद है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रशासनिक सुधारों और क्षमता विकास में उत्तर प्रदेश देश के लिए रोल मॉडल है। उत्तर प्रदेश प्रशासनिक क्षमता विकास के क्षेत्र में रोल माडल के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। प्रदेश में योग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर बड़ी संख्या में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे किए गये हैं।

भारी बारिश से तीन जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद, मछुआरों को चेतावनी जारी

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु में उत्तर-पूर्वी मानसून के सक्रिय होने के साथ ही कई जिलों में भारी बारिश का दौर जारी है। चेन्नई और तिरुवल्लूर समेत कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। वहीं, तिरुवन्नामलाई, विलुप्पुरम और कल्लाकुरिची जिलों में भी गुरुवार से हो रही तेज बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। लगातार बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने तीनों जिलों में शैक्षणिक संस्थानों को बंद रखने का फैसला लिया है। संबंधित जिला कलेक्टरों ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

प्रशासन के आदेश के अनुसार, विलुप्पुरम और कल्लाकुरिची जिलों में सरकारी और निजी स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। वहीं, तिरुवन्नामलाई जिले में सरकारी और निजी स्कूलों के साथ-साथ कॉलेजों को भी बंद रखने का आदेश दिया गया है। लगातार बारिश के कारण लोगों के दैनिक कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। मौसम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। तमिलनाडु के तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलने की आशंका को देखते हुए मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की गई है।

मौसम संबंधी चेतावनी के मुताबिक, 23 से 26 अक्टूबर तक तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों, मन्नार की खाड़ी और कुमारी सागर क्षेत्र में 35 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर हवा की गति बढ़कर 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। इसके अलावा, 24 से 26 अक्टूबर तक केरल और कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों, लक्षद्वीप तथा उससे सटे मालदीव के समुद्री इलाकों में भी 35 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। यहां भी हवा की गति बीच-बीच में 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

प्रशासन ने मछुआरों को सलाह दी है कि चेतावनी की अवधि के दौरान संबंधित समुद्री क्षेत्रों में मछली पकड़ने के लिए न जाएं। तेज हवाओं और समुद्र में संभावित खराब परिस्थितियों को देखते हुए मछुआरों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

सात लाख के इनामी माओवादी दंपती ने कोलकाता पुलिस के समक्ष किया समर्पण

एजेंसी, कोलकाता

झारखंड के सारंडा जंगल में सक्रिय कुख्यात माओवादी दंपत्ति मंगल और मालती ने शुक्रवार को कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों ने सुबह पुलिस आयुक्त अजय नंद के सामने एक एके-47 और एक इंसास राइफल सौंप दी। झारखंड पुलिस ने मंगल पर पांच लाख और मालती पर दो लाख का इनाम घोषित कर रखा था। मंगल पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सालबनी का रहने वाला है, जबकि मालती झाड़ग्राम जिले के गोपीबल्लभपुर की निवासी है। पुलिस के अनुसार, मंगल वर्ष 2010 में माओवादी संगठन से जुड़ा था। उस समय वह सालबनी में सक्रिय जनसाधारण कमेटी (पीसीपीए) से भी जुड़ा था।

पुलिस आयुक्त अजय नंद ने बताया कि मंगल माओवादी नेता किशनजी का करीबी रह चुका है। वर्ष 2011-12 के बाद वह झारखंड चला गया और पहले दलमा तथा बाद में सारंडा के जंगलों में माओवादी गतिविधियों में शामिल रहा। बाद में मालती भी झाड़ग्राम छोड़कर सारंडा में उसके साथ जुड़ गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाई के कारण सारंडा के जंगलों में माओवादियों के लिए टिकना मुश्किल हो गया था। इसी दबाव के चलते वर्ष 2026 में बंगाल से जुड़े करीब 13 माओवादियों ने उस इलाके को छोड़ना शुरू कर दिया। इनमें से कई अलग-अलग जगहों पर गिरफ्तार किए गए हैं। हाल ही में झारखंड से तीन माओवादी पकड़े गए हैं।

पुलिस के मुताबिक, सारंडा में सक्रिय रहे मंगल के खिलाफ झारखंड में छह से सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। आत्मसमर्पण के बाद मंगल ने कहा कि सशस्त्र संघर्ष के जरिए समाज में बदलाव लाना संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर राज्य सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण करने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया।

गौरतलब है कि, हाल के महीनों में कोलकाता में माओवादियों की गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण की घटनाएं सामने आई हैं। इसी साल जून में पुष्पा उर्फ शकुंतला ने कोलकाता पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। इससे एक महीने पहले झारखंड की माओवादी श्रद्धा विश्वास उर्फ बेला को कोलकाता पुलिस ने उत्तर काशीपुर इलाके से गिरफ्तार किया था। मंगल व मालती के आत्मसमर्पण को पुलिस एक और बड़ी सफलता मान रही है।

संसद परिसर में रानी चेन्नम्मा की जयंती और 202वीं विजय वर्षगांठ मनाई गई

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर शुक्रवार को कित्तूर की वीरांगना रानी चेन्नम्मा की जयंती और अंग्रेजों के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक विजय की 202वीं वर्षगांठ भव्यता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और रेल एवं जल शक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने रानी चेन्नम्मा को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके शौर्य और बलिदान को याद किया। रेल एवं जल शक्ति राज्यमंत्री तथा तुमकुरु के सांसद वी. सोमन्ना के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सांसद पी.सी. मोहन, डॉ. सुधाकर, कर्नाटक के पूर्व मंत्री मुरुगेश निरानी और बसनगौड़ा पाटिल यतनाल सहित कई प्रमुख व्यक्ति शामिल हुए। इस अवसर पर कर्नाटक के विभिन्न जिलों और दिल्ली में रहने वाले कन्नड़ समुदाय के लोगों ने भी रानी चेन्नम्मा को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में विभिन्न मठों के संत भी उपस्थित रहे। इनमें कुडलसंगम के बसव मृत्युंजय स्वामी, शंकरानंद स्वामी, बीदर के आलुर स्थित सिद्धारूढ़ मठ के संत, कक्कमारी के गुरुदेव आश्रम के आत्माराम स्वामी और चलकापुरा के सिद्धारूढ़ मठ के विनायक स्वामी शामिल थे।

इस अवसर पर सोमन्ना ने रानी चेन्नम्मा को देश की अद्वितीय वीरांगना बताते हुए कहा कि उन्होंने केवल एक युद्ध नहीं लड़ा, बल्कि साम्राज्यवादी सत्ता को चुनौती दी। उनका नाम इतिहास में प्रतिरोध और अदम्य साहस के अमर प्रतीक के रूप में दर्ज है। ऐसी वीर महिला की उपलब्धियों का स्मरण करना सभी के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने कहा कि संसद के इस पवित्र परिसर में वीरांगना रानी चेन्नम्मा का शौर्य और साहस आज देश की रक्षा करने वाले वीर जवानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। अपनी मातृभूमि और भाषा से प्रेम करने वाले सभी लोगों के लिए उनका जीवन गर्व का विषय है। उन्होंने लोगों से हर वर्ष एकत्र होकर ऐसी महान विभूतियों को याद करने की अपील की।

सोमन्ना ने इस आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रोत्साहन से प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम के आयोजन का अवसर मिल रहा है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों, रेल मंत्रालय और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी आयोजन की अनुमति और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

कोलकाता के दमदम एयरपोर्ट पर मिला धमकी भरा पर्चा, छानबीन में नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय (दमदम) हवाई अड्डे पर शुक्रवार को उस समय भारी दहशत फैल गई, जब परिसर में बम रखे होने की धमकी वाला पर्चा बरामद हुआ। सफाई कर्मचारियों को शौचालय के पास से यह संदिग्ध पर्चा मिला जिसमें एक प्रवेश द्वार का उल्लेख कर दावा किया गया कि वहां बम रखा है। दुर्गा पूजा की छुट्टियों के बाद हवाई अड्डे पर आम दिनों की तुलना में यात्रियों की भारी भीड़ है।

धमकी भरा पर्चा मिलने की सूचना मिलते ही हवाई अड्डे की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ता (बम स्क्वॉड) तुरंत मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा बलों ने एहतियात के तौर पर संबंधित प्रवेश द्वार को तुरंत खाली करा लिया और बम निरोधक दस्ते की मदद से सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। हवाई अड्डे के अन्य हिस्सों में भी कड़ी चेकिंग की जा रही है। हालांकि, व्यापक तलाशी के बावजूद अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की गहनता से जांच कर रही हैं। पुलिस उन सफाई कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है, जिन्होंने सबसे पहले इस पर्चे को देखा था। इसके अलावा, शौचालय के आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना से पहले या बाद में वहां कौन-कौन मौजूद था या किसने शौचालय का इस्तेमाल किया था। घटना के बाद पूरे हवाई अड्डा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक चाक-चौबंद कर दी गई है। राहत की बात यह है कि इस घटना के कारण हवाई सेवाओं पर अब तक कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है और उड़ानें सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं।

दमदम हवाई अड्डे पर बम की धमकी का यह हालिया दिनों में दूसरा मामला है। इससे पहले 8 अक्टूबर को भी हवाई अड्डा अधिकारियों को एक ईमेल के जरिए बम विस्फोट की धमकी मिली थी। उस ईमेल में दावा किया गया था कि हवाई अड्डे के अंदर बम रखा हुआ है और किसी भी क्षण विस्फोट हो सकता है। उस समय भी धमकी मिलने के तुरंत बाद परिसर को खाली कराकर सघन तलाशी अभियान चलाया गया था लेकिन कोई बम या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी।

तेलंगानाः लेबोरेटरी में गैस रिसाव से दो श्रमिकों की मौत

एजेंसी, हैदराबाद

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के सारका लेबोरेटरीज लिमिटेड नामक फार्मास्युटिकल यूनिट में शुक्रवार तड़के गैस रिसाव के कारण दो श्रमिकों की मौत हो गई। यह हादसा जिन्नाराम मंडल के गड्डापोथाराम औद्योगिक क्षेत्र स्थित सारका उद्योग यूनिट में हुआ। गैस रिसाव के बाद दो श्रमिकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुदर्शन और बालाजी के रूप में हुई है। शुरुआती जाँच से पता चला है कि दोनों श्रमिक आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे।

घटना के बाद औद्योगिक क्षेत्र में काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। रिसाव की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। एसपी पारितोष पंकज ने बताया कि जांच में रिसाव के कारणों के साथ-साथ सुरक्षा प्रक्रियाओं के अनुरूप कारखाने द्वारा उठाए गए सुरक्षात्मक उपायों को भी देखा जाएगा। पीड़ित परिवारों और मजदूर यूनियनों ने गहन जांच और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस घटना ने औद्योगिक इकाइयों में श्रमिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है।

मध्य प्रदेश में शनिवार को चतुर्थ राष्ट्रीय एचआर-सीएसआर सम्मेलन 'अभ्युदय', जुटेंगे देशभर के विशेषज्ञ

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में चतुर्थ राष्ट्रीय एचआर-सीएसआर सम्मेलन 'अभ्युदय-2026' का शुभारंभ करेंगे। सम्मेलन में पर्यावरण, सामाजिक उत्तरदायित्व, सुशासन और सभ्यतागत ज्ञान के समन्वय पर चर्चा होगी, जिसमें देशभर के कॉर्पोरेट प्रतिनिधि, शिक्षाविद, प्रशासनिक अधिकारी और सामाजिक क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होंगे। जनसंपर्क अधिकारी अनुराग उइके ने बताया कि सम्मेलन का शुभारंभ सुबह 10 बजे होगा। सम्मेलन का विषय 'अभ्युदयः समग्र कल्याण के लिए पर्यावरण-सामाजिक उत्तरदायित्व-सुशासन और सभ्यतागत ज्ञान का समन्वय' है। उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. यादव सम्मेलन को संबोधित करेंगे एवं प्रतिभागियों के साथ संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडोनेशिया से पद्मश्री डॉ. अगुस इंद्र उदयाना, एस-व्यासा के कुलाधिपति पद्मश्री डॉ. एचआर नागेंद्र, श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के प्रतिनिधि श्रीराम तिवारी तथा सम्मेलन के संयोजक डॉ. विक्रांत सिंह तोमर उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि संस्कृति विभाग के श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन द्वारा डॉ. विक्रांत सिंह तोमर (यूनाइटेड काउंसिल फॉर एंशिएंट विजडम-यूनाइटेड कॉन्शसनेस) के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन मध्यप्रदेश के लिए उपयोगी साझेदारियों के नए अवसर सृजित करेगा, जिससे उद्योग, सरकार, विश्वविद्यालय और सामाजिक संस्थाएं मिलकर कौशल, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में व्यावहारिक मॉडल विकसित कर सकेंगी।

मध्य प्रदेश में मत्स्य पालन उद्योग को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के साथ जोड़ा जाएगा : मोहन यादव

एजेंसी, भोपाल

भोपाल में हुआ राष्ट्रीय फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कॉन्क्लेव-2026

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में मत्स्य पालन उद्योग को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के साथ जोड़ा जाएगा। इसके अंतर्गत मछली उत्पादन के बाद इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, मार्केटिंग संबंधी अन्य सभी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एकीकृत मत्स्योद्योग को एमएसएमई इंडस्ट्री से जोड़कर सभी प्रकार के प्रोत्साहन और इन्सेंटिव भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में राष्ट्रीय 'फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कॉन्क्लेव-2026' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय पंचायती राज, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह और केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल के साथ इस कॉन्क्लेव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में देश-विदेश से आए फिश एक्सपोटर्स और प्रदेश के जिलों से आए मछली उत्पादक किसान उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मत्स्य उत्पादकों एवं निवेशकों को सभी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में लागू एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अंतर्गत मत्स्य उद्योग के विस्तार के लिए इस क्षेत्र के निवेशकों को भूमि आवंटन, तकनीकी मदद और अन्य कई प्रकार की सुविधाएं दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 में यह प्रावधान किया है कि प्रदेश का मत्स्य उत्पादन हम जल्द से जल्द दोगुना कर देंगे। इससे मत्स्य उत्पादकों, विक्रेताओं, मत्स्य परिवहनकर्ताओं और मछली पालन से जुड़े सभी मत्स्यपालकों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य सरकार मध्यप्रदेश में नई नीली क्रांति लाने के लिए तैयार है। मप्र की जल सम्पदा को निवेश, नवाचार और निर्यात से जोड़कर हम मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के मामले में देश का अग्रणी केन्द्र बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में उपलब्ध अथाह जलराशि का बेहतर सप्रबंधन कर जलचरों का संरक्षण भी

छोटे निवेश के शुरू कर सकते हैं पापड़ उद्योग

अगर आप घर बैठे और कम निवेश में कोई कारोबार शुरू करना चाहती हैं तो आप पापड़ उद्योग के बारे में सोच सकती हैं। अगर आप में काबिलियत है तो घर से शुरु हुए पापड़ के छोटे से कारोबार को आप सफलता के शिखर पर पहुंचा सकती हैं। अगर आपकी पृष्ठभूमि गांव है और आप कम पढ़ी-लिखी हैं तब भी इस उद्योग को शुरू करने में आपको कोई परेशानी नहीं होगी। लगभग सभी घरों में पापड़ का इस्तेमाल स्नेक्स के रूप में किया जाता है इसलिए मार्किट में इसकी काफी मांग है। पापड़ की मांग देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि इस उद्योग में संभावनाएं अपार हैं।

वैसे पापड़ उद्योग के इतिहास की बात करें तो यह काफी पुराना है। हमारे देश में यह व्यवसाय महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के मकसद से किया जा रहा है। इस व्यवसाय से ज्यादातर महिलाएं जुड़ी हुई हैं। यह व्यवसाय जरूरतमंद महिलाओं को कमाई का जरिया प्रदान करता है। इससे जुड़ी महिलाएं अच्छा मुनाफा भी कमा रही हैं। तो चलिए जानते हैं इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए आपको क्या करना होगा। पापड़ का इस्तेमाल भारत के अलावा एशिया के कई देशो में भी किया जाता है। भारत अन्य देशो में पापड़ निर्यात करता है लेकिन हमारे देश में ही पापड़ की आपूर्ति सही तरीके से नहीं पाती है। अगर इस लिहाज से देखा जाए तो इस बिजनस का फ्यूचर बहुत अच्छा है। वैसे तो कुछ कंपनियों के पापड़ हर राज्य में मिल जाते हैं लेकिन हमारे देश में लगभग साठ फीसदी पापड़ की आपूर्ति लोकल पापड़ उद्योगों द्वारा ही किया जाता है।

पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए क्या करें- अगर आपके पास पैसे की कमी है तो आप बैंक से लोन भी ले सकती हैं। इस उद्योग के लिए बैंक कम दर पर लोन देती है। इसके अलावा आप कई महिलाओं को साथ जोड़कर स्वयंसेवी संस्था के रूप में भी काम कर सकती हैं, जैसा की लिज्जत पापड़ (लिज्जत पापड़ से लें प्रेरणा) कर रहा है। ऐसी संस्थाओं को भारत सरकार सहायता प्रदान करती है।

लाइसेंस लेना जरूरी

किसी भी फूड आइटम वाले बिजनस को शुरू करने के लिए आपको लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। खाद्य पदार्थों से जुड़ा व्यवसाय होने के कारण इसे BIS (Bureau of Indian Standards) के तय मानकों पर खरा उतरना होगा। पापड़ उद्योग में आपको BIS, FSSAI जैसे लाइसेंस की जरूरत पड़ेगी। साथ ही, Business Entities रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। अगर आप अपने उद्योग में 20 से ज्यादा लोगों को जोड़ना चाहती हैं तो आपको Compliance EPF, ESIC पर भी ध्यान देना होगा।

जगह का रखें ध्यान

पापड़ उद्योग चलाने के लिए आपको लगभग साठ से अस्सी वर्गमीटर जगह की जरूरत पड़ती है, जिसमे पापड़ (पापड़ खाने की आदत अच्छी है या बुरी) बनाने से लेकर सुखाने और पैक करने तक का काम होगा। अगर आप ड्रायर मशीन द्वारा पापड़ सुखाना चाहती हैं तो आपको कम जगह यानी चालीस वर्गमीटर की ही जरूरत होगी।

कच्चे माल की जानकारी

वैसे तो पापड़ कई तरह से बनाए जाते है लेकिन आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले मटेरियल हैं- दाल, मिर्च या मसाले, तेल, सोडियम बाई कार्बोनेट, हिंग, पिसी हुई काली मिर्च इत्यादि।

पापड़ उद्योग के लिए जरूरी मशीन-

- ग्राइंडिंग मशीन
- मिक्सर मशीन
- पापड़ प्रेस मशीन
- ड्राईंग मशीन
- पेकिंग मशीन

अगर आप धूप में पापड़ सुखाना चाहती हैं तो आपको ड्राईंग मशीन की जरुरत नहीं पड़ेगी। वहीं, अगर हाथ से पेकिंग करना चाहती हैं तो पेकिंग मशीन की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए लागत

पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए आपको कम से कम एक लाख रूपयों की जरूरत होगी। लेकिन यह काफी हद तक आपके बजट पर निर्भर करता है कि आप इस पर कितना खर्च करना चाहती हैं। क्योंकि पापड़ बनाने की मशीने दस हजार से लेकर दस लाख तक की आती हैं।

कमाई कितनी

कमाई भी आपके बजट पर निर्भर करती है, अगर आप ज्यादा पैसे खर्च करती हैं तो आप ज्यादा मुनाफा कमा सकती हैं। वहीं, कम निवेश करने पर कमाई भी कम होगी। वैसे हमेशा ऐसा हो यह जरूरी नहीं, ऐसा भी हो सकता है कि कम निवेश पर भी आपकी अच्छी कमाई हो। यह सारी बातें मार्किट पर आपकी पकड़ पर निर्भर है। लेकिन पापड़ की क्वालिटी का हमेशा ध्यान रखें तभी आप मार्किट में पकड़ बना पाएंगी। वैसे आमतौर पर इसमें निवेश की गई पूंजी से दस से बीस प्रतिशत तक कमाई हो जा सकती है, मतलब अगर आप एक लाख रूपये खर्च करती हैं तो इससे आप लगभग बीस हजार रूपये कमा सकती हैं।

स्कॉलरशिप के जरिए इंफोसिस फाउंडेशन लड़कियों को देता है मौका

भारत में कई सारी स्कॉलरशिप का विकल्प मिलता है। ऐसे में अगर आप भी स्कॉलरशिप के जरिए पढ़ाई करना चाहते हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इंफोसिस फाउंडेशन के जरिए आसानी से स्कॉलरशिप ले सकते हैं। ऐसे में यह बैचलर कर रही लड़कियों को मौका दिया गया है।

इंफोसिस फाउंडेशन स्कॉलरशिप

इंफोसिस फाउंडेशन ने इंफोसिस फाउंडेशन स्टेम स्टार्स स्कॉलरशिप प्रोग्राम की शुरुआत की है जिसका जरिए ग्रेजुएशन के पहले वर्ष की लड़कियों को आर्थिक सहायता मिल सकता है। इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम के जरिए फाउंडेशन उन छात्राओं की मदद करना चाहती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छुक हैं। इस पहल से छात्राओं को न केवल शिक्षा का अवसर मिलेगा, बल्कि उनके करियर के विकास में भी मदद मिलेगी।

किसको मिलेगा यह लाभ

इंफोसिस फाउंडेशन स्कॉलरशिप उन छात्रों को दिया जाएगा जिसके घर के इंकम 8 लाख से कम है। ऐसे में यह स्कॉलरशिप देने से पहले छात्रों का एजुकेशनल क्वालिफिकेशन के साथ ही उनका एक इंटरव्यू भी होगा। इस इंटरव्यू के आधार पर यह तय किया जाएगा कि छात्र को स्कॉलरशिप मिलना चाहिए या नही।

प्रमाण-पत्र

जेईई/ सीईटी/नीट का स्कोरकार्ड
इनकम सर्टिफिकेट

फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए इन योग्यताओं का होना जरूरी

अगर आप बैचलर डिग्री के बजाय डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं, तो फायर इंजीनियरिंग या फायर सेफ्टी में डिप्लोमा भी कर सकते हैं। डिप्लोमा के बाद, आप बैचलर कोर्स में लेटरल एंट्री से प्रवेश ले सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियर एक ऐसा पेशा है, जिसमें आप आग लगने की घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए काम करते हैं। यह एक बहुत ही जरूरी और चुनौती भरा काम है। अगर आप भी फायर सेफ्टी इंजीनियर बनना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए इन योग्यताओं का होना जरूरी है

- 12वीं कक्षा में कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री, या गणित विषयों में पास होना
- फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री या समकक्ष परीक्षा पास करना
- फायर टेक्नोलॉजी और सेफ्टी इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए जेईई मेन और जेईई एडवांस परीक्षा पास करना।
- शारीरिक योग्यता का होना। पुरुषों की लंबाई कम से कम 165 सेंटीमीटर और वजन 50 किलोग्राम होना चाहिए। महिलाओं की लंबाई कम से कम 157 सेंटीमीटर और वजन 46 किलोग्राम होना चाहिए। आंखों की नजर दोनों आंखों में 6/6 होनी चाहिए। उम्र 19 साल से ज्यादा होनी चाहिए।

फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के फायदे

- फायर सेफ्टी इंजीनियरों को अच्छा वेतन मिलता है।
- आप लोगों की जान और माल बचाने में योगदान दे सकते हैं।
- इस क्षेत्र में करियर ग्रोथ के बहुत सारे अवसर हैं।
- आप समाज में एक सम्मानित व्यक्ति बन सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए ये भी कर सकते हैं

कॉलेज में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा लेना। इससे आपको प्रशिक्षु इंजीनियर के तौर पर नौकरी मिलने में मदद मिल सकती है। आईटीआई फायर और सेफ्टीकोर्स करना। यह कोर्स दो साल का होता है और इसमें चार सेमेस्टर होते हैं। चार सेमेस्टर में से एक सेमेस्टर में लाइव वातावरण में व्यावहारिक प्रशिक्षण होता है। फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए आपको सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या केमिकल इंजीनियरिंग में बैचलर्स डिग्री प्राप्त करनी होगी। फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए, कई तरह के कोर्स कराए जा सकते हैं

बैचलर ऑफ साइंस

इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग में फायर और सेफ्टी में तीन साल का बीएससी कोर्स कराया जाता है। इसमें 15 छात्रों को प्रवेश मिलता है और इसकी कुल लागत 60,000 रुपये है।

बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी

नेशनल फायर सर्विस कॉलेज, नागपुर में अग्नि इंजीनियरिंग में बीई कोर्स कराया जाता है। इसमें 60 छात्रों को प्रवेश मिलता है और इसकी कुल लागत 96,000 रुपये है। यह कोर्स चार साल का होता है। यह कोर्स 3-4 साल का होता है और इसमें फायर सेफ्टी, डिजास्टर मैनेजमेंट, फायर प्रिवेंशन, इमरजेंसी मैनेजमेंट, और रेस्क्यू टेक्निक्स जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग में डिप्लोमा

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए, बारहवीं कक्षा पास करने के बाद फायर और सेफ्टी प्रबंधन में डिप्लोमा किया जा सकता है। यह कोर्स 1-2 साल का होता है और इसे पूरा करने के बाद आप असिस्टेंट फायर ऑफिसर या टेक्निशियन के रूप में नौकरी शुरू कर सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियर कहां काम कर सकते हैं

आप सरकारी विभागों जैसे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, डिफेंस, और रेलवे में फायर सेफ्टी इंजीनियर के रूप में नौकरी पा सकते हैं। या फिर आप प्राइवेट सेक्टर में फायर सेफ्टी कंसल्टेंट, फायर इंजीनियर, सेफ्टी मैनेजर या डिजास्टर मैनेजमेंट के पदों पर काम कर सकते हैं।

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए लाइसेंस

कुछ देशों में, फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए आपको लाइसेंस प्राप्त करना होगा। आप स्थानीय अधिकारियों से लाइसेंस पा सकते हैं।

फाइनेंस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूरी योग्यताएं हैं सीए और सीएफए

सीए और सीएफए दोनों फाइनेंस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूरी योग्यताएं हैं, लेकिन दोनों के बीच कुछ अंतर हैं। आइए इन प्वाइंट्स में समझते हैं।

सीए (Chartered Accountant) और सीएफए (Chartered Financial Analyst) दोनों ही हाई लेवल की प्रोफेशनल डिग्री हैं, लेकिन ये अलग-अलग एरिया में विशेषज्ञता देती हैं। यहां 7 प्रमुख बिंदुओं में दोनों के बीच का अंतर समझाया गया है। आइए इससे पहले जानते हैं कि क्या सीए और सीएफए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए) दोनों फाइनेंस से जुड़े पेशे हैं।

सीए

सीए, जिन्हें सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट भी कहा जाता है, अकाउंटेंसी फर्मों या उससे जुड़ी कंपनियों के लिए काम करते हैं। वे फाइनेंस के कई क्षेत्रों में काम करते हैं, जैसे कि ऑडिटिंग, टैक्सेशन, फाइनेंशियल प्लानिंग, और मैनेजमेंट कंस्लटिंग। सीए की जिम्मेदारियों में कर दाखिल करना और फाइनेंशियल स्टेटमेंट का ऑडिट करना भी शामिल हो सकता है। भारत में, सीए एक लोकप्रिय विकल्प है, खासकर उन लोगों के लिए जो अकाउंट्स और टैक्सेशन में रुचि रखते हैं।

सीएफए

सीएफए कोर्स, सीएफए संस्थान द्वारा ग्लोबल लेवल पर चलाया जाता है। यह कोर्स खास तौर से इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट और मनी मैनेजमेंट एनालिसिस पर केंद्रित है। सीएफए प्रोग्राम का मकसद, इन्वेस्ट और मैनेजमेंट में काम के लिए जरूरी ज्ञान और विशेषज्ञता देना है। सीएफए चार्टरहोल्डर के पास निवेश विश्लेषण में विशेषज्ञता और वास्तविक दुनिया के कौशल होते हैं। भारत में, सीएफए पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ रहे हैं, खासकर एमएनसी और स्टार्टअप्स में अगर आपको फाइनेंस के बारे में जुनून है, तो सीएफए आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। भारत में, सीए और सीएफए दोनों की ही बहुत मांग है। निगमों, निवेश फर्मों, बैंकों, और दूसरे संगठनों में वरिष्ठ वित्तीय भूमिकाओं के लिए अक्सर सीए और सीएफए दोनों वाले पेशेवरों की मांग होती है। सीए और सीएफए दोनों वित्तीय क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूर योग्यताएं हैं, लेकिन दोनों के बीच कुछ अंतर है

सीए कोर्स के लिए आपकी 12वीं पास होना अनिवार्य है, तो वहीं सीएफए प्रोग्राम के लिए ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया सीए कोर्स करवाती है, तो वहीं ष्टस्न प्रोग्राम सीएफए इंस्टीट्यूट यूएसए द्वारा करवाया जाता है।

कोर्स की अवधि

सीए कोर्स की अवधि 4.5 साल है, जिसमें 3 साल की ट्रेनिंग शामिल है, जबकि सीएफए कोर्स की अवधि 3-4 साल है, जिसमें तीनों परीक्षाओं को पास करना होता है।

फीस

सीए कोर्स की फीस 1-2 लाख रुपये है, जबकि सीएफए कोर्स की फीस 2-2.5 लाख रुपये है।

सीए और सीएफए कोर्स का दायरा सीए कोर्स भारतीय अकाउंट सिस्टम, टैक्सेशन और कंपनी कानूनों पर केंद्रित है, जबकि सीएफए एक वैश्विक योग्यता है, जो निवेश प्रबंधन में माहिर है।

कैरियर के अवसर

सीए कोर्स के बाद आप अकाउंटेंट, ऑडिटर या फाइनेंस मैनेजर बन सकते हैं, जबकि सीएफए कोर्स के बाद आप निवेश बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर या फाइनेंशियल एनालिस्ट बन सकते हैं।

सीए और सीएफए में चुनौती का स्तर

- दोनों कोर्स चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन सीएफए कोर्स को थोड़ा अधिक कठिन माना जाता है, क्योंकि इसमें तीनों परीक्षाओं को पास करना होता है।
- सीए और सीएफए के लिए योग्यता
- सीए कोर्स के लिए आपको 12वीं पास होना चाहिए और सीएफए कोर्स के लिए आपको ग्रेजुएट होना चाहिए।
- सीए और सीएफए में वैश्विक मान्यता
- सीएफए कोर्स को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जबकि सीए कोर्स को मुख्य रूप से भारत में मान्यता प्राप्त है।